॥ श्री गणेशाय नमः ॥

मुठ्ठी बांधके आया जग में, हाथ पसारे जायेगा…

अनूप जलोटा भजन सागर

संग्रहकर्ता :
श्री हरिओम शर्मा, सुनील कुमार शर्मा

प्रकाशक—
धार्मिक प्रकाशन (पंजीकृत)
१०७० गाँधी गली, फतेहपुरी, दिल्ली-६
मूल्य ५.०० रुपए

विषय-सूची

भजन	पृष्ट सं०
जग में सुन्दर हैं दो नाम	७
कान्हा रे तू राधा बनजा	७
तुम दुख भंजन हो प्रभु जी	८
गाते चारों धाम तेरो नाम	९
भजन का अमृत पीने वाले	१०
दो अक्षर का नाम राम का	११
तेरे हाथ कुछ ना मेरे हाथ	१२
जीवन रैन अन्धेरी	१२
मेरे मन में बसे हैं राम	१३
बोलो राधे बोलो राधे	१३
जब प्राण तन से निकले	१४
कपि से उरिन हम नाहीं	१५
राम ही तारे राम उबारे	१५
भज मन राम चरण सुखदाई	१६
राधा भई श्याम की दीवानी	१७
मैंने लीनो गोविन्द मोल	१८
श्री राम लखन ले व्याकुल मन	१८
सीता के राम राधा के श्याम	१९
राम कथा में वीर जटायू	२०
प्रभु का नाम रटे जग सारा	२१
राम के भक्त निराले	२२
कब आएगा तू गिरधारी	२२
बोलो राम सिया राम	२३
सुबह शाम बोल बन्दे	२४

उड़ना तुझे अकेला है ... २४
तू राम कहे या कृष्ण कहे ... २५
सुमिरन करले मेरे मना ... २६
बोलो जय गिरधर जय गोपाल ... २६
जन्म तेरा बातों ही बीत गयो ... २७
मैं तो जन्म-२ का दास तेरा ... २८
ठुमकि चलत रामचन्द्र ... २९
नाम हरि का जपले बन्दे ... २९
दो दिन का जग में मेला ... ३०
तेरे मन में राम तेरे तन में राम ... ३१
इक वही पार लगाये रे ... ३२
तोसे राम कह्यो ना जाय ... ३२
मन लागा मेरा यार फकीरी में ... ३३
आयेगा जब रे बुलावा हरि का ... ३३
राम से बड़ा राम का नाम ... ३४
जै शंकर भोले ... ३४
हरि बोलो हरि बोलो ... ३५
हम तो बालक तेरे ... ३५
राम नाम जो मनवा गाए ... ३६
मत कर तू अभिमान रे ... ३७
जै गणपति जै गणनायक ... ३७
रंग दे चुनरिया ... ३८
हे शारदे माँ ... ३८
हरि को अपना मीत बनाले ... ३९
तेरे चरण मेरे मथुरा काशी ... ४०

रसना निशदिन भज हरि	४०
भक्त का मान न टलते देखा	४१
श्याम पिया मोरी रंग दे	४१
चादर हो गई बहुत पुरानी	४२
तूने नाम जपन क्यों छोड़	४३
कैसी लागी लगन मीरा	४३
जिन के हृदय हरि नाम बसे	४४
मेरा जीवन तेरे हवाले	४४
जय गोविन्दा गोपाला	४५
भजले राम रमैया	४५
कभी-२ भगवान को भी	४६
माटी कहे कुम्हार से	४७
जय जगदम्बे मां	४७
हरि नाम का प्याला	४८
प्रभु जी तुम स्वामी	४८
वो काला एक बाँसुरी	४९
राम नाम की अमर	४९
उड़ जायेगा हंस अकेला	५०
राम है जीवन कर्म है	५१
सुन नाथ अरज अब	५१
क्यों पानी में मल-मल	५२
मैया मेरी मैं नहिं माखन	५३
हरि नाम सुमिर सुख धाम	५३
सांवरिया मोरी नैया तरा	५४
चदरिया राम रस झीनी	५५

जै सिया राम राम	५५
भज निस दिन राम	५६
राम धुन गाले रे मेरे मन	५७
बोलो साईं नाथ	५७
साईं बाबा हम तो तेरे हैं	५८
बाब मेरे दरस दिखाने आजा	५९
बोलो साँई बाबा	५९
मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका साईं	६०
साईं नाम दिए जैसा	६१
गीत तुम्हारे गाता	६१
मेरा साईं सभी में समाया	६२
तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार	६३
स्वीकारो मेरे प्रणाम	६४
उद्धार करो भगवान	६५
ऐसा प्यार बहा दे मैया	६५
दाता एक राम भिखारी	६६
जै नन्दलाला जै गोपाला	६७
साईं तेरी याद	६८
प्रभु हम पे कृपा करना	६८
मैली चादर ओढ़ के	६९
राम सुमिर के रहम	७०
आरती कुन्ज बिहारी की	७१
राम रहीम राम राम	७२
जय भोला भण्डारी शिवहर	७२
ना ये तेरा ना ये मेरा	७३

टूटे न प्रीत तिहारी ७४
तेरे नाम का सुमिरन करके ७४
रख लाज मेरी ७५
जय जय जय हनुमान गुसाईं ७६
ये गर्व भरा मस्तक ७६
तेरे द्वार खड़ा आन ७७
राम रमय्या जग ७८
सब का भला मेरे राम ७८
नाम का दीप जलाले ७९
जप ले हरि नाम सांझ ८०
संसार ने जब ठुकराया ८०
श्याम राधे हरि श्याम राधे ८१
मोहे लागी लगन हरि दर्शन की ८१
मन मैला और तन को धोये ८२
सुन लो मेरी पुकार पवनसुत ८३
मंगल मूरति राम दुलारे ८३
जय-२ बजरंग बली ८४
मां तेरी जय जयकार ८४
भज गोविन्दा जय गोपाला ८५
निर्गुण रंगी चादरिया रे ८६
एक दिन वो भोला भण्डारी ८६
शिव शिव जपले ८८
कहाँ छोड़ चले नन्दलाल ८८
हरि ओ३म नमो ८९
जगत में कोई नहीं अपना ९०
भज मन मनमोहन ९१
मैंने किया द्वारिका वास रे ९२

जग में सुन्दर हैं दो नाम

गायक—अनूप जलोटा

जग में सुन्दर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम
बोलो राम, राम, बोलो श्याम, श्याम, श्याम, जग में…
माखन ब्रज में एक चुरावे, एक बेर भिलनी के खावे
प्रेम भाव से भरे अनोखे, दोनों के हैं काम
चाहे कृष्ण कहो या राम, जग में सुन्दर है दो नाम
बोलो राम, राम, राम, बोलो श्याम, श्याम, श्याम…
एक हृदय में प्रेम बढ़ावे, एक पाप सन्ताप मिटावे
दोनों सुख के सागर हैं और दोनों पूरण काम
चाहे कृष्ण कहो…जग में…

एक कंस पापी को मारे, एक दुष्ट रावण संहारे
दोनों दीन के दुःख हरते हैं, दोनों बल के धाम
चाहे कृष्ण कहो या राम, जग में…
एक राधिका संग साजे, एक जानकी संग विराजे
चाहे सीता राम कहो, या बोलो घन श्याम
चाहे कृष्ण कहो या राम जग में…

कान्हा रे तू राधा बन जा

गायक—अनूप जलोटा

कान्हा रे तू राजा बन जा, भूल पुरुष का मान-२
कब होगा तुझको राधा की, पीड़ा का अनुमान, रे
कान्हा रे…कान्हा रे…कान्हा रे तू राधा…

तू चंचल है तू क्या जाने, नारी मन को बात-२
ओ क्यों रहती है राधा के, दो नैनों में बरसात
ओ कान्हा रे···कान्हा रे···

तू ही जब ये पीर न जाना, फिर क्या तेरा ज्ञान, कब होगा···
प्रेम दिवानी राधा को तू, माखन से ना तोल-२
ओ राधा का मन टूट गया तो, क्या होगा रे बोल,
ओ कान्हा रे···कान्हा रे···

देर नहीं है तज दे कान्हा, अपना ये अभिमान-२
कब होगा तुझको राधा की, पीड़ा का अनुमान रे
तेरे कारण राधा का ये हाल हुआ रे श्याम-२
ओ राधा के अधरों पे रहता, पल पल तेरा नाम
ओ कान्हा रे···कान्हा रे···

ऐसे तो न बन राधा के, दुख से तू अन्जान-२
कब होगा तुझको राधा की, पीड़ा का अनुमान रे

तुम दुख भंजन हो प्रभू जी

गायक—अनूप जलोटा

तुम दुख भन्जन हो प्रभु जी-२···
कष्ट हरो सब पार उतारो-२ जग के पालनहार प्रभु जी
तुम दुख भन्जन हो प्रभु जी-२···
माया अपना जाल बिछाये, क्या क्या रंग दिखाये
मूरख मानव भूला भटका-२ कुछ भी समझ न आये
आप बनाये मोह माया की दुनियाँ-२

और उलझता जाये, (अब तो आप सँवारो प्रभु जी)२
तुम दुख भन्जन हो प्रभु जी-२···
पाप बोझ से भारी जीवन, कैसे शरण में रख दूँ-२
तृष्णाओं का बड़ा समन्दर-२ उमर डूबती जाये
जीवन की कुछ बाकी घड़ियाँ, नाम तुम्हारे कर दूँ
शरण में आया उबारो प्रभु जी-२
तुम दुख भन्जन हो प्रभु जी-२···
"पंच तत्व" का मानव चोला, पहन के मैं सब भूला
सृष्टि की अति सुन्दर रचना-२ साँस का उसमें झूला
जग को बनाने वाले ईश्वर-२ नाम तेरा ही भूला
नाम की जोत जला दो प्रभु जी-२
तुम दुख भन्जन हो प्रभु जी-२, कष्ट हरो···

गाते चारों धाम-तेरो नाम

गायक—अनूप जलोटा

धरती गाती अम्बर गाता-२ गाते चारों धाम
(तेरो नाम-तेरो नाम)२···
तेरा नाम ही सच्चा साथी;
तेरे नाम बिन दुनियाँ क्या थी ? ओ तेरो नाम, तेरो नाम···
बना दिया करता है पल में-२ सबके बिगड़े काम
(तेरो नाम-तेरो नाम)२···
तेरा नाम ही सच्ची पूजा
तेरे नाम सा नाम न दूजा, ओ (तेरो नाम) ३,

तेरा नाम ही सच्ची पूजा, तेरे नाम सा नाम न दूजा
सब ही से प्यारा सभी से न्यारा-२ जग में तेरो नाम
(तेरो नाम-तेरो नाम) २···
जपी नाम की जिसने माला, उसके मन में हुआ उजाला
ओ तेरो नाम, तेरो नाम, तेरो नाम···
तेरे नाम की रटन लगी है-२ अब तो आवो राम
(तेरो नाम.तेरो नाम) ३ धरती गाती···

भजन का अमृत पीने वाले

भजन का अमृत पीने वाले, राम नाम जप जीने वाले
क्यों हो रहा उदास भजन का अमृत···
तेरे मन में रमने वाला-२ सदा है तेरे पास,
भजन का अमृत पीने वाले ।
भजन बिना मन रीती गागर, भजन है सरिता
भजन है सागर-२
भजन अमर विश्वास हो भजन अमर विश्वास
(भजन से पूरी हो जायेगी)-२ तेरी टूटी आस
भजन का अमृत पीने वाले ।
मन को बना ले तू इक तारा
भजन की इतनी गहरी धारा मन को···
घुटे न इसमें साँस हो घुटे न इसमें साँस
राम रमैया रक्षा कर रहा है, तीन लोक में राम, भजन···
मन मन्दिर में दीप जला ले

भजन से प्रभु को मीत बनाले, मन मन्दिर में···
वो है तेरे पास हो वो है तेरे पास
भजन के अमृत से मिट जाती-२, जन्म-जन्म की प्यास
भजन का अमृत पीने वाले, राम नाम जप जीने वाले···

दो अक्षर का नाम राम का

दो अक्षर का नाम राम का, दो अक्षर की सीता
सीता राम जपे बिन तेरा, सारा जीवन बीता
ओ भजले राम सीता राम, भजले राम सीता राम
सिया राम जपने से मन का, मिट जाता अंधियारा
जगमग हो जाता है मन का, कोना-कोना सारा
राम भजन के जाप बिना, सबका मन है रीता
दो अक्षर का नाम राम का···

दो अक्षर के नाम ने सबके संकट काटे
सीता माता ने घर घर में, सुख ही सुख हैं बांटे
सबसे पावन इस धरती पर, राम नाम की गीता
सीता राम जपे बिन तेरा, सारा जीवन बीता, ओ भजले
सिया हरण कर, रावण ने था अपना वंश मिटाया
फिर भी राम ने उस रावण को परम धाम पहुंचाया
सिया राम का नाम जगत में, पावन परम पुनीता
सीता राम जपे बिन···दो अक्षर का नाम···

तेरे हाथ कुछ ना, मेरे हाथ कुछ ना

तेरे हाथ कुछ ना, मेरे हाथ कुछ ना-२
होगा वही जो चाहे विधाता, चाहे विधाता, तेरे हाथ…
सुख भी है अपना दुख भी है अपना
जीवन तो है बस खुले नैन सपना सुख भी है…
जीवन से तेरा है झूठा नाता ३ होगा वही जो…
पर्वत ये नदियाँ, फल फूल कलियाँ
प्रभु ने बनाई सुख दुख की गलियां, पर्वत ये…
सुन्दर जगत को—है वो बनाता, है वो बनाता
होगा वही जो चाहे विधाता, चाहे विधाता, तेरे हाथ…
साँसों की डोरी वो है किनारा,
जीवन तो कटता लेके उसका सहारा, साँसों की…
शीशनवाले वो ही है दाता, वो ही है दाता२ होगा…

जीवन रैन अन्धेरी

भजन बिना तन राख की ढेरी-२ जीवन रैन अन्धेरी-२
ओ मूरख मन भटक रहा क्यों
मोह लोभ में अटक रहा क्यों ओ मूरख…
भूल रहा भगवत की महिमा-२
मति मारी है तेरी, जीवन रैन अंधेरी २ भजन बिना
भजन मिलाता हरि से प्यारे, भजन मिटा देता अंधियारे
मौत को भी हरि भजन बनाता, है चरणों की चेरी
जीवन रैन अन्धेरी, जीवन रैन अन्धेरी भजन बिना…

रोम रोम में राम रमा है, राम नाम पर जगत थमा है…२
राम भजन करले ओ भाई-२, बात मानले मेरी
जीवन रैन अन्धेरी, जीवन रैन अन्धेरी, भजन बिना…

मेरे मन में बसे हैं राम

गीत—सुभाष जैन "अजल" गायक व संगीत – अनूप जलोटा
मेरे मन में बसे हैं राम, मेरे तन में बसे हैं राम-२
चीर के छाती बोले अपनी, पवन पुत्र हनुमान
मेरे मन में बसे हैं राम…
सीता हरण किया रावण ने, प्रभु जी थे अकुलाए
हनुमान ने सीता जी को, प्रभु सन्देश सुनाये…
हनुमान जी करते आए, प्रभु जी के गुणगाण, मेरे मन…
लगी लक्ष्मण जी को शक्ति, देख प्रभु घबराये
भोर से पहले हनुमान जी धौलागिरि ले आये
उठ बैठे लक्ष्मण जी, लेकर श्री राम का नाम, मेरे मन…
वानर सेना देखके रावण की सेना घबराई
पलक झपकते हनुमत ने लंका में आग लगाई
बोले प्रभु के साथ, मिटाकर रावण का अभिमान, मेरे मन…

बोलो राधे बोलो राधे

गीत : सरस्वती कुमार "दीपक" गायक व संगीत : अनूप जलोटा
श्याम राधे कोई न कहता कहते राधे श्याम-२
जन्म-जन्म के भाग जगा दे इक राधा का नाम
(राधा के बिन, शाम आधा) २ कहते राधेश्याम
जन्म-जन्म के भाग जगा दे इक राधा का नाम
बोलो राधे-बोलो राधे, बोलो राधे-बोलो राधे,

व्यर्थ पड़ा माला बिन मोती व्यर्थ पड़ी दीपक बिन ज्योति
चन्दा बिन चादनी कैसी सूरज बिना धूप न होती
व्यर्थ पड़ा माला·······चन्दा बिना चाँदनी·······
बिन राधा के कहाँ है पूरा, नट नागर का नाम
बोलो राधे-बोलो राधे २
साथ है जैसे जल की धारा, साथ है जैसे नदी किनारा-२
साथ है जैसे नील गगन के सूरज चन्दा तारा-तारा-२
वैसे इनके बिना अधूरा मन वृन्दावन धाम
(बोलो राधे-बोलो राधे) २
श्री राधा को जिसने भुलाया उसने अपना जनम गँवाया-२
धन्य हुई वह वाणी जिसने राधेश्याम नाम है गाया
श्री राधा को जिसने गाया·······धन्य हुई वह·······
उनका सुमिरन करे विना कब मिलता है विश्राम
राधे बोलो राधे-बोलो२ राधा के विना श्याम आधा·····

जब प्राण तन से निकले

(गायक—अनूप जलोटा)

इतना तो करना स्वामी जब प्राण तन से निकले।
गोविन्द नाम लेके जब प्राण तन से निकले ॥
श्री गंगा जी का तट हो जमुना का बंशी वट हो।
मेरा साँवरा निकट हो जब प्राण तन से निकले ॥
पीताम्बरी कसी हो छवि मन में ये बसी हो,
होठों पे कुछ हँसी हो, जब प्राण तन से निकले ॥
जब कण्ठ प्राण आये कोई रोग न सताये।
यम दरस न दिखाये जब प्राण तन से निकले ॥

उस वक्त जल्दी आना नहीं श्याम भूल जाना।
राधे को साथ लाना जब प्राण तन से निकले ।।
एक भक्त की है अर्जी खुदगर्ज की है गर्जी।
आगे तुम्हारी मर्जी जब प्राण तन से निकले ।।

कपि से उरिन हम नाहीं

(जब श्री रामचन्द्रजी १४ वर्ष वनवास के बाद अयोध्या आते हैं तो राजा राम भाई भरत से वन में हनुमान जी की सेवा, भक्ति का वर्णन करते हैं वे कहते हैं कि कपि यानि हनुमान जी के हम ऋण नहीं उतार सकते। उनके हम ऋणी हैं

भरत भाई कपि से उरिन ह नाहीं २
सौ योजन मर्यादा समुन्द्र की ये कूद गयो क्षण मांही-२
लंका जाई सिया सुधि लायो पर गर्व नहीं मन मांही
कपि से उरिन हम नाहीं......
शक्ति बाण लग्यो लक्ष्मण के हाहाकार भयोदल मांही
धौलागिरि धर कर ले आयो भोर ना होने पायी
कपि से उरिन हम नाहीं...
अहिरावण की भुजा उखाड़ी पैठ गयो मठ मांही
जो भैया हनुमत नहीं होते मोहे तो लाखों जग नाहीं
कपि से उरिन हम नाहीं
आज्ञा भंग कबहू नहिं कीनी जहाँ पठायो तहाँ जाई
'तुलसीदास' पवनसुत महिमा प्रभु निजमुख करत बड़ाई
कपि से उरिन हम नाहीं...

राम ही तारे राम उबारे

राम नाम रटते रहो जब तक घट में प्राण।
कभी तो दीन दयाल के भनक पड़ेगी कान ।।

राम रमैया गाये जा राम से लगन लगाये जा-२
राम ही तारे राम उबारे राम नाम दोहराये जा
राम रमैया गाये जा...
सुबह यहाँ तो शाम वहां है राम बिना आराम कहाँ है
राम रमैया गाए जा, जीवन के सुख पाए जा-२ राम ही
भटकाये जब भूल भूलैया बीच भंवर जब अटके नैया
राम रमैया गाए जा हर उलझन सुलझाये जा-२ राम
राम नाम बिन जागा सोया अंधियारे में जीवन खोया-२
राम रमैया गाये जा मन का दीप जलाये जा राम ही तारे

भज मन-राम चरण सुखदाई

राम चरण सुखदाई—राम चरण सुखदाई
भज मन राम चरण सुख़दाई-२ भजमन......
जेहि चरणन से निकसी सुरसरि शंकर जटा समाई
जटा शंकरी नाम पड़यो है २ त्रिभुवन तारन आई
भज मन राम चरण सुखदाई......
जेहि चरणन की चरण पादुका-२ भरत रहयो लव लाई
सोई चरण केवट धोई लीनो-२ तब हरि नाव चढ़ाई
भज मनु राम चरण सुखदाई......
नाई से ना नाई लेत धोबी से ना धोबी लेत-२
दे के मजुरिया ये जाति को ना बिगाड़ियो
प्रभू आये मोरे घाट तो पार मैंने उतार दीने
जब आऊँगा मैं तोरे घाट तो पार मोहि उतारियो
भज मन राम चरण सुखदाई......

"राधा ऐसी भयी श्याम की दीवानी"

गीत—माया गोविन्द गायक—अनूप जलोटा

राधा ऐसी भयी शाम की दीवानी-२
कि ब्रज की कहानी हो गई-२
इक भोली भाली गाँव की गंवारन-२
तो पण्डितों की 'वाणी हो गई-२ राधा ऐसी भयी···
राधा न होती तो वृन्दावन भी, वृन्दावन न होता
कान्हा के होते बंसी भी होती बंसी में प्राण न होता
प्रेम की भाषा जानता न कोई, कन्हैया को योगीमानता न कोई
बिना परिणय के वो प्रेम पुजारिन-२
कान्हा की पटरानी हो गई हो कान्हा की·· राधा ऐसी
राधा की पायल न बजती तो मोहन ऐसा न रास रचाते
निदिया चुराकर मधुबन बुलाकर उंगली पे किसको नचाते
क्या ऐसी खुश्बू चंदन में होती क्या ऐसी मिश्री माखन में होती
थोड़ा सा माखन खिलाके वो ग्वालिन-२
अन्नपूर्णा सी दानी हो गई-२ राधा ऐसी···
राधा न होती तो कुंज गली भी ऐसी निराली न होती
राधा के नैना न रोते तो जमुना ऐसी काली न होती
राधा न होती तो·····राधा के······
सावन न होते झूले ना होते राधा के संग नटवर झूले ना होते
सारा जीवन लुटा के वो भिखारन-२
धनिकों की राजधानी हो गई-२ राधा ऐसी·····

———

मैंने लीनो गोविन्द मोल

गीत —मीरा बाई   संगीत व गायक अनूप जलोटा

मैंने लीनो मैंने लीनो गोविन्द मोल माई रे-२
कोई कहे सस्ता तो कोई कहे मंहगा-२
मैंने लीनो, मैंने लीनो माई री मैंने लीनो तराजू तोल
कोई कहे चोरी तो कोई कहे सानी-२
मैंने लीनो २ भजन का ढोल माई रे मैंने लीनो…
कोई कहे गोरा तो कोई कहे काला-४
मैंने लीनो मैंने लीनो अमोलक मोल……
"मीरा" के प्रभू गिरधर नागर-४ (ये तो आवात)२
प्रभू आवत प्रेम के मोल माई के मैंने लीनो……

श्री राम लखन, ले व्याकुल मन

गीत —माया गोविन्द   गायक—अनूप जलोटा

श्री राम लखन ले व्याकुल मन कुटिया में लौट जब आए-२
नहीं पाई सिया, अकुलाए, नैन भर आए, श्री राम…
सूनापन इतना गहरा था, श्रीराम का जी घबराया
सारे पिंजरे थे खुले एक पंछी भी नजर नहीं आया
थे धूल-धूल कलियाँ और फूल, थे पात पात मुरझाए
श्रीराम लखन, हो व्याकुल मन……
सीता के कुछ आभूषण पथ पर इधर उधर बिखरे थे
अन्याय और दुखभरी सिया की करुण कथा कहते थे

शोभा सिंगार इक चंद्रहार देखा तो राम अकुलाए
श्री राम लखन ले व्याकुल मन···
आँसू का सागर उमड़ पड़ा सुध बुध भूले रघुनन्दन
यह हार मेरी सीता का न हो पहचानो सुमित्रा नन्दन
तब चरण पकड़ सिसकी भर-२ लक्ष्मण ने भेद बताए
श्री राम लखन ले व्याकुल मन···
कैसे बतलाऊँ क्षमा करो, भैया ये हार न देखा
मैंने जब भी देखा भाभी के चरणों को ही देखा-२
वो लाल बरन, भाभी के चरण मेरे तीर्थ धाम कहलाए
श्री राम लखन हो व्याकुल मन, कुटिया में लौट जब आए

सीता के राम राधा के श्याम

गीत : सरस्वती कुमार 'दीपक' गायक : अनूप जलोटा

सीता के राम राधा के श्याम
मीरा के गिरधर नागर सूर के घनश्याम सीता के राम
महलो का सुख छोड़ सिया ने राम का साथ निभाया
लक्ष्मी ने धर रूप सिया का जग का पाप मिटाया
महलों का सुख छोड़······ लक्ष्मी ने धर·········
बना दिया था इस धरती को राम भक्ति का धाम
सीता के राम राधा के श्याम······
राधा ने श्री श्याम सुन्दर संग ऐसा रास रचाया
तीन लोक में श्याम और राधा का रूप समाया राधा ने
कोटी-कोटी भक्तों के मुख पर राधेश्याम का नाम
सीता के राम राधा के श्याम·····

मीरा ने महलों की झूठी महिमा को ठुकराया
तोड़ जगत के बन्धन अपने गिरधर को अपनाया मीरा ने
प्रेम दीवानी मीरा को करते हैं भक्त प्रणाम सीता के
सीता राधा और मीरा के, सबसे न्यारे स्वामी
सबसे न्यारे सबके प्यारे स्वामी अन्तरयामी सीता राधा
सदा बनाया करते प्रभू जी, सबके बिगड़े काम
सीता के राम राधा के श्याम मीरा के गिरधर नागर

राम कथा में वीर जटायू

गीत—नन्द किशोर दूबे गायक—अनूप जलोटा

राम कथा में वीर जटायू का अपना अनुपम स्थान-२
तुलसी ने बड़ भागी कहकर किया जटायू का यश गान
राम कथा में वीर जटायू......
सीता हरण समय रावण से युद्ध किया वीर गति पाए
शूर वीर शरणागत रक्षक धर्म-प्राण त्यागी कहलाए...
सीता हरण समय .....शूरवीर शरणागत......
पर हित में अपने प्राणों का धर्मवीर करते बलिदान रामकथा
अन्त समय बोले रघुवर, लो अमर तुम्हें कर देता हूँ
कहे जटायू नहीं तात बस मुक्ति का वर लेता हूँ, अन्त...
मोक्ष मार्ग पर राम रूप में महा प्राण का महा प्रयाण
राम कथा में वीर जटायू का...
प्राण विहीन देह गोदी में लिये राम करुणा बरसाए
कमल नयन की अश्रु धार से प्रभू अन्तिम स्नान कराए

प्राण विहीन देह·······कमल नयन की·······
ऋणि रहूँगा गिद्द राज का लक्ष्मण से बोले भगवान
राम कथा में वीर जटायू का·····
त्रेता युग के अवतारी नर अपने हाथों चिता रचाकर
मात पिता सम अग्निदाह दे त्रिभुवन के स्वामी करुणा कर
त्रेता युग के अवतारी:·······मात पिता सम········
साधु जटायू धन्य जटायू महा भाग स्तुत्य महान
राम कथा में वीर जटायू·····

के प्रभू का नाम रटे जग सारा

वो जग का पालनहारा के प्रभू का नाम रटे जग सारा ३
वो जग का पालनहारा के प्रभू का नाम···
राम नाम की ओढ़ चदरिया क्या देखे दर्पण में
माथे पर चंदन का टीका लेकिन क्या है मन में
अंतर से तू सुमर प्रभू को वो है तेरा सहारा के प्रभू का
तू अपने पापों को धोने गंगा तट पर जाता
हर हर गंगे २ तू ये किसे सुनाता
मन में जिसके सुन्दर मन्दिर वो ही प्रभू को प्यारा
के प्रभू का नाम रटे जग सारा-२
पाप गठरिया सर पर तेरे कैसा बोझ बढ़ाया
काम क्रोध मद लोभ मोह में जीवन को उलझाया
खोल के सारे बन्धन हो जा प्रभू प्रेम मतवारा
के प्रभू का नाम रटे जग सारा वो जग का······

राम के भक्त निराले

राम सियाराम जै जै राम सिया राम
हे पवन पुत्र हनुमान रामके भक्त निराले-२
संकट मोचन हनुमान विपत्ति हरने वाले
राम के भक्त निराले हे पवनपुत्र हनुमान...
उगते सूरज को फल समझा उड़ गए और मुँहमें रखा-२
देवों की विनय सुनो हरि को मुक्ति देने वाले
राम के भक्त निराले हे पवन पुत्र......राम सियाराम
बजरंगी बल के सागर हो गूढ़ ज्ञान बुद्धि के आगर हो-२
लंका जाकर सीता की सुधि लाने वाले राम के......
जब शक्ति बाण लगा लक्ष्मण को
और शेष थे कुछ पल जीवन के जब शक्ति बाण.....
लाके संजीवन उनके प्राण बचाने वाले राम के भक्त
सीताजी ने मणि माला की हर दाने को फोड़के बिखरादी
निज हृदय चीर कर सीता राम दिखाने वाले
राम के भक्त निराले—हे पवनपुत्र हनुमान राम के

कब आएगा तू गिरधारी

गायक—अनूप जलोटा

सागर तट पर बैठ अकेला रटता तेरा-२ नाम
कब आएगा तू गिरधारी देर हुई घनश्याम-२
सागर तट पर बैठ अकेला-रे—॥
करता पल पल तेरा बंदन युग युग का प्यासा मेरा मन-२

करले अब स्वीकार मुरारी तू येमेरा प्रणाम कब आएगा
चारों ओर घिरे अंधियारा नाथ ना अपना एक सहारा
सूखी पतवारों पकड़ता मैं नैया आयो तार कब आएगा
बहुत हुआ ये खेल तमाशा अब तेरे चरणों की आशा-२
डर है दर्शन बिन जीवन की ढल जाए न शाम
कब आएगा तू गिरधारी···२

बोलो राम सिया राम

जो राम नाम नहीं गाते वो जीते जी मर जाते
जो राम नाम गाते हैं वो परम धाम पाते हैं
बोलो राम सियाराम-सियाराम जै जै राम-जो राम
एक राम नाम के जप से हर कष्ट मिटे जीवन का
एक राम नाम के तप से पावन हो मन जन जन का
एक राम नाम के जप से······
जो राम नाम बिसराते वो पग-पग ठोकर खाते
जो राम नाम गाते हैं वो परम धाम पाते हैं······
एक राम नाम ही जग में हर बेड़ा पार लगाये
एक राम नाम का सुमिरन मन में उजियारा लाये, एक
जो राम नाम नहीं गाते भवसागर में फँस जाते
जो राम नाम गाते हैं वो······बोलो राम सियाराम
एक राम नाम से बढ़के कुछ और नहीं है साँचा
कबीरा ने यही बताया, तुलसी ने भी यही बाँचा···
जो राम नाम मुख लाते धन्य धन्य हो जाते
जो राम नाम गाते हैं वो परम धाम पाते हैं बोलो राम

सुबह शाम बोल बन्दे कृष्णा-कृष्णा-कृष्णा

गायक व संगीत – अनूप जलोटा

जो तू मिटाना चाहे जीवन की तृष्णा-२
सुबह शाम बोल बन्दे कृष्णा-कृष्णा-कृष्णा-२ जो तू
कृष्ण नाम पावन पावन कृष्ण नाम प्यारा-प्यारा
जो न बोले कृष्ण-कृष्ण जग से वो हारा-हारा कृष्ण नाम
मन का मिटे अंधियारा, बोल कृष्णा-कृष्णा-२सुबह शाम
जिसको मिली न पीड़ा, सुख का मरम क्या जाने
जो न ध्याये कृष्णा-कृष्णा नित का धर्म क्या जाने
जिसको मिली न पीड़ा····जो न ध्याये········
चाहे अगर उजियारा बोल कृष्ण-कृष्ण-२
सुबह शाम बोल बन्दे कृष्ण-कृष्ण-कृष्ण-२······
छोड़ दे भटकना दर-दर तोड़दे अहम का घेरा
भूल जा जगत के वैभव जग है दुःखों का डेरा
छोड़ दे भटकना दर-दर·····
फिरता है मारा-मारा बोल कृष्ण-कृष्ण-२ सुबह शाम

उड़ना तुझे अकेला है

गायक – अनूप जलोटा

दुख से मत घबराना पंछी ये जग दुख का मेला है
चाहे भीड़ बहुत अंबर पर उड़ना तुझे अकेला है दुख···
नन्हें कोमल पंख ये तेरे और गगन की ये दूरी
बैठ गया तो होगी मन की कैसे अभिलाषा पूरी

उसका नाम अमर है जग में
जिसने संकट झेला है चाहे भीड़···
चतुर शिकारी ने रखा है जाल बिछाकर पग-पग पर
फँस मत जाना भूल से पगले, पछतायेगा जीवन भर
लोभ के दाने में मत पड़ना बड़े समझ का खेला है
चाहे भीड़ बहुत अम्बर पर···

जब तक सूरज आसमान पर बढ़ता चल तू चलता चल
घिर जाएगा अंधकार जब बड़ा कठिन होगा पल-पल
किसे पता है उड़ चलने का आ जाता कब घेरा है
चाहे भीड़···उड़ना तुझे अकेला है···

तू राम कहे या कृष्ण कहे

गायक—अनूप जलोटा

तू राम कहे या कृष्ण कहे, इस नाम का कोई मोल नहीं
रख राम रत्न धन—ये मन में
है जग में ऐसा बोल नहीं तू राम कहे
ले लेकर नाम यही पावन कितने भवसागर पार हुए-२
इस नाम की महिमा को प्राणी
तू धन दौलत से तोल नहीं रख नाम रत्न······
इस क्षण भंगुर जीवन भर में
है नाम यही शीतल सरिता इसक्षण··
पीले शीतल जल जी भर करके
तू प्यासा तट पर डोल नहीं रख राम रत्न धन·····

इस नाम के पावन संजीवन पर करदे तन मन धन अर्पण
तू अपने जीवन जल में ये
लेते क्यों अमृत घोल नहीं रख राम रत्न……

सुमिरन कर ले मेरे मना

गीत—गुरु नानक देव गायक—अनूप जलोटा

सुमिरन करले मेरे मना, तेरी ये बीती उमर हरिनाम बिना-२
पंछी पंख बिना हाथी दंत बिना नारी पुरुष बिना-२
जैसे पुत्र पिता बिन हीना-२ तैसे पुरुष हरिनाम बिना
सुमिरन कर ले…
कूप नीर बिना धेनु क्षीर बिना धरती मेह बिना-२
जैसे तरुवर फल बिन हीना-२ तैसे पुरुष हरिनाम बिना
सुमिरन करले मेरे मना…
देह नैन बिना रैन चन्द्र बिना, मन्दिर दीप बिना
जैसे पंडित वेद बिन हीना-२ तैसे पुरुष हरिनाम बिना
सुमिरन करले मेरे मना…
काम, क्रोध, मद, लोभ विकारो छोड़ जगत तू सन्त जना
कहे "नानक" तू सुन भगवन्ता, इस जग में नहीं कोई अपना
सुमिरन करले मेरे मना…

बोलो जय गिरधर गोपाल

गीत सरस्वती कुमार "दीपक" गायक—अनूप जलोटा

सूरदास जी का इक तारा, मीरा की करताल-२
बोलो जय गिरधर गोपाल, बोलो जय गिरधर गोपाल
सूरदास जी का इक तारा…

हाथ छुडाये जात हो, निर्बल जान के मोहे हो हाथ…
हृदय से जब जाओ तो, सबल मैं जानूँ तोहे
हाथ छुड़ाकर चले कन्हैया फिर भी साथ न छोड़ा
दर्शन की प्यासी अंखियों ने, हरि से नाता जोड़ा, हाथ…
छोड़ी ममता छोड़ी काया, छोड़ा जग जंजाल
बोलो जय गिरधर गोपाल, २ सूरदास जी का…
गिरधर नागर की भगति का पाया ऐसा हीरा
राणा जी का विष का प्याला, हँसकर पी गई मीरा,
गिरधर नागर की भगति का…

मीरा गिरधर आगे नाची, पहन भक्ति वर माल,
बोलो जय गिरधर गोपाल, २ सूरदास जी का …
सूरदास के इक तारे ने, छोड़ी ऐसी गाथा
जिसको सुनकर झुका लिया त्रिभुवन ने अपना माथा
सूरदास के इक तारे ने…

भक्त की सुनी पुकार, दौड़कर आये नन्द लाल
बोलो जय गिरधर गोपाल, २ सूरदास जी का…

जन्म तेरा बातों ही बीत गयो

गीत—कवीर दास गायक—अनूप जलोटा

जन्म तेरा बातों ही में बीत गयो-४
रे तूने कबहू न कृष्ण कहयो, रे जन्म तेरा…
पाँच बरस का भोला भाला-२ अब तो बीस भयो-२
मकर पचीसी माया कारण-२ देश विदेश गयो

पर तूने कबहू न कृष्ण कहयो रे जन्म तेरा···
तीस बरस की मति उपजी-२ तो लोभ बढ़े नित नयो
माया जोरी तूने लाख करोरी-२
पर अजहु न तृप्त भयो, रे तूने कवहु न कृष्ण कहयो···
वृद्ध भयो तब आलस उपजी,कफ् नित कण्ठ रहयो-२
संगति कबहु न कीन्ही रे तूने, विरथा जन्म गयो
रे तूने कबहु न कृष्ण कहयो पाँच बरस का···
ये संसार मतलब का लोभी, झूठा ठाठ रचौ-२
कहत "कबीर" समझ रे मन मूरख, तू क्यों भूल गयो
रे तूने कबहु न कृष्ण कहयो जन्म तेरा···

मैं तो जन्म जन्म का दास तेरा

गायक—अनूप जलोटा

हे शिवशंकर नटराजा, मैं तो जन्म २ का दास तेरा
हे शिवशंकर नटराजा···
निस दिन करता मैं नाम जपन तेरा
शिव-शिव, शिव-शिव, गूंजत मन मोरा, निसदिन···
तुम हो मेरे प्रभु, तुम ही कृपालु
करूँ समर्पण दीन दयालू हे शिवशंकर······
तोरी जटा से बहती पवित्रा, तीनों लोकों के तुम हो दाता
डमरू बजाया टमस भगाया, जड़ते तन को तुम्हीं ने जगाया
हे शिवशंकर नटराजा···
अलख निरंजन, शिव मोरे स्वामी
तुम ही हो मेरे अन्तरयामी अलख···

भूल जो कोई हुई है मुझसे
क्षमा मैं माँगू हर पल तुझसे हे शिवशंकर···
लीला से तेरी डोले ये धरती करे जो भक्ति, दे तब मुक्ति-२
ताँडव में फिर प्रलय कराके
भव सागर तू पार करादे, हे शिवशंकर···
छवि तेरी है सबसे सुन्दर, शशी विराजे तेरी जटा में-२
हार मणि का शोभे गले में चमके जैसे तारे गगन में
हे शिवशंकर नटराजा···

ठुमकि चलत रामचन्द्र

गीत—तुलसीदास गायक—अनूप जलोटा
ठुमकि चलत राम चन्द्र-२ बाजत पैंजनिया-२
किलकी लात उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय्
धाये माए गोद लेत्—दशरथ की रनियां ठुमकि···
विद्रुम से अरुण अधर बोलत मृदु वचन मधुर
सुन्दर नासिका बीच, लटकत लटकनियाँ ठुमकि···
मेवा मोदक रसाल मन भावे तो लेवो लाल
और लेहो रूचि पान कंचन झुलझनियां, ठुमकि·········
"तुलसी दास" अति आनन्द, निरसी के मुखार विन्द
रघुवर की छवि समान, रघुवर मुख बनियाँ ठुमकि·····

नाम हरि का जप ले बन्दे

गीत—कबीर दास गायक—अनूप जलोटा
राम नाम जपते रहो, जब तक घट में प्राण।
कभी तो दीन दयाल के, भनक पड़ेगी कान॥

नाम हरि का जप ले बन्दे, फिर पीछे पछतायेगा-२ .....
तू कहता है तेरी काया, काया का गुमान क्या-२
चाँद सा सुन्दर ये तन तेरा, मिट्टी में मिल जाएगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का......
वहाँ से तू क्या लाया बन्दे यहां से क्या ले जाएगा
मुट्ठी बाँध के आया जग में हाथ पसारे जाएगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का...
बालापन में खेला खाया, आई जवानी मस्त रहा
बूढ़ापन में रोग सताये, खाट पड़ा पछतायेगा
फिर पीछे पछतायेगा, नाम हरि का...
जपना है सो जपले बन्दे आखिर तो मिट जायेगा
करनी का फल पायेगा, नाम हरि का......

दो दिन का जग में मेला

गीत—ब्रह्मानन्द गायक—अनूप जलोटा

चलती चक्की देख के, दिया कबीरा रोय
दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय
दो दिन का जग में मेला सब चला चली का खेला-२
कोई चला गया कोई जावे कोई गठरी बाँध सिधावे
कोई खड़ा तैयार अकेला रे...सब चला चली...
माता पिता सुत नारी भाई अन्त सहायक नाहीं
फिर क्यों भरता पाप का ठेला रे......
सब चला चली का खेला रे खेला रे...दो दिन...

ये तो है नश्वर संसारा भजन तू करले ईश का प्यारा
"ब्रह्मानन्द" कहे सुन चेला रे···२
सब चला चली का खेला रे···खेला रे खेला रे···
दो दिन का जग में मेला, सब चला चली का खेला-२···

तेरे मन में राम, तेरे तन में राम

राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट
अन्त काल पछतायेगा जब प्राण जायेंगे छूट
तेरे तन में राम तेरे तन में राम रोम-रोम में राम रे
राम सुमिर ले ध्यान लगाले छोड़ जगत के काम रे
बोलो राम बोलो राम-२···

माया में तू उलझा-उलझा, दर दर धूल उड़ाये
अब करता क्यों मन भारी, अब माया साथ छुड़ाये रे···
दिन तो बीता दौड़ धूप में ढल जाये ना शाम रे
बोलो राम बोलो राम-२···

तन के भीतर पाँच लुटेरे डाल रहे हैं डेरा
काम क्रोध मद लोभ मोह ने तुझको ऐसा घेरा
भूल गया तू राम रटन भूला पूजा का काम रे
बोलो राम बोलो राम-२···

बचपन बीता खेल-खेल में आई जवानी सोया
देख बुढ़ापा सोचे अब तू क्या पाया क्या खोया
देर नहीं है अब भी बन्दे ले ले उसका नाम रे
बोलो राम बोलो राम-२···

इक वही पार लगाये रे

हरि हरि जप ले मनुवा क्यों घबराये......
इक वही पार लगाये रे इक वही पार लगाये...
झूठे सारे जग के नातें कैसे जग बन्धन को काटे
एक है सच्चा नाता जग में सब अर्पण उसके चरणन में
हर पल ये मन प्रभु के ही गुण गाये इक वही......
तेरे नाम की महिमा भारी मीरा भई मोहन मतवारी
तेरा नाम लिया बृज में, तुम आये मुरली धर गिरधारी
नाम तेरा धाम तेरा मेरे मन को भाये इक वही...
मन मन्दिर अन्तर में मूरत नैनों में हरपल तेरी सूरत
ये तन तेरी महिमा गाये मेरे स्वर में तू रम जाये
सीता राम राधेश्याम जो सुमिरे सुख पाये, इक वही...

तोसे राम कह्यो नहीं जाये

कैसे बैठा रे आलस में प्राणी तोसे राम कह्यो नहीं जाये रे
तोसे श्याम कह्यो नहीं जाये रे...
भोर भयो मलमल मुख धोयो, दिन चढ़ते ही उदर टटोयो-२
बातन-बातन सब दिन खोयो, साझ भई पलगाँ पर सोयो-२
सोचत-सोचत उमर बीत गई काल शीश मंडराये रे
तोसे राम कह्यो नहीं जाये रे...
लख चौरासी में भरमायो बड़े भाग से नर तन पायो-२
अब की चूक न जाना भाई लुट न जाये फिर ये कमाई-२
राधेश्याम समय फिर ऐसो बार-बार नहीं आये रे
तोसे राम कह्यो नहीं जाये रे तोसे श्याम......

मन लागा मेरा यार फकीरी में

गीत - सन्त कबीर दास संगीत व गायक अनूप जलोटा

मन लागा मेरा यार फकीरी में...

जो सुख पायो राम भजन में सो सुख नाहिं अमीरी में
भला बुरा सबका सुन लीजे कर गुजरान गरीबी में
मन लागा मेरा यार...

प्रेम नगर में रहिनी हमारी भलि बनि आई सबूरी में
हाथ में कुण्डी बगल में सोटा चारों दिशा जागीरी में
मन लागा मेरा यार...

आखिर ये तन खाक मिलेगा कहाँ फिरत मगरूरी में
कहत कबीर सुनो भई साधो साहिब मिले सबूरी में
मन लागा मेरा यार...

आयेगा जब रे बुलावा हरि का

आयेगा जब रे बुलावा हरि का छोड़के सबकुछ जाना पड़ेगा-२
नाम हरि का साथ जायेगा और तू कुछ न ले पायेगा-२
आयेगा जब रे बुलावा हरि का...

राग द्वेष में हरि बिसराओ
भूल के निज को जनम गँवायो-२ आयेगा जब रे......
सुमिरन हरि की साँची कमाई
झूठी जग की सब है समाई-२ आयेगा जब रे......
अरजी कर तू हरि से ऐसी
भक्ति मिले मीरा के जसी-२ आयेगा जब रे......
हाथ तेरे जीवन की बाजी
भक्ति से कर तू हरि को राजी-२ आयेगा जब रे......

राम से बड़ा राम का नाम

राम से वड़ा राम का नाम अन्त में निकला ये परिणाम···
सिमरो नाम रूप बिन देखे कौड़ी लगे न दाम
नाम के बाँधे खिच आयेंगे आखिर एक दिन राम
राम से बड़ा राम का नाम···
जिस सागर को बिना सेतु के लाँघ सके ना राम
कूद गए हनुमान उसी को लेकर राम का नाम
राम से वड़ा राम का नाम···
वो दिलवाले क्या पायेंगे जिनमें नहीं है राम
वो पत्थर तैरेंगे कैसे जिन पर मिटा हुआ श्रीराम
राम से वड़ा राम का नाम···

जय शंकर भोले

जय शंकर भोले —जय शङ्कर भोले
जय शिव शङ्कर – जय शिव शङ्कर
सबदेवों में देव निराले जै बम बम भोले जै शङ्कर भोले
महादेव तुमने ही तो सब देवों का संताप हरा
सागर मंथन में निकला विष तूने अपने कण्ठ लिया
इसी लिए हर प्राणी तुझको नील कण्ठ बोले सब देवों···
तेरे पास अनेकों बाबा तेरी महिमा न्यारी
तेरे भेद अनोखे सबसे क्या जाने संसारी
तू ही है कैलाशपति तू पर्वत पर डोले सब देवों में···
शीश तुम्हारे गंगा मैया चन्द्र शिखर पे सोहे
तन पे सर्प विचरते रहते भक्तों का मन मोहे

उसको कैसा कष्ट जगत में नाम तेरा जो ले
सब देवों में देव निराले जै बम बम भोले जै शङ्कर…

हरि बोलो हरि बोलो

गायक—अनूप जलोटा

जो नर सुमिरन नित करें सुख अपार वो पाये
लगन लगे हरि नाम की भवसागर तर जाये
हरि बोलो हरि बोलो हरि बोलो मनुवा रे !
पाप कटे दुःख मिटै दूर हो अन्धेरा हरि बोलो…

ध्यान में प्रभु के ये मनुवा यूँ लागे
जग की ये माया और ममता भला दे
एक नाम तेरा प्रभु मन मेरा जपे रे
हरि बोलो हरि बोलो मनुवा रे हरि बोलो……

तू ही है दाता तेरे गुण मैं गाऊँ
तेरी शरण में हूं तुझको रिझाऊँ-२
तेरे दर्शन को नयन ये खुले रे हरि बोलो मनुवा रे…

जब से है मन में तेरी प्रीत जागी
तेरे जपन की लगन मन में लागी-२
नैनों में तेरी छवि सांझ और सवेरे हरि बोलो……

हम तो बालक तेरे

हम तो तेरे बालक भगवान तुम हो कृपा निधान
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूं बखान
हरि बोलो हरि बोलो रे-२

मात पिता गुरु सखा तुम्हीं हो तुम्हीं पालन हार
तेरे भरोसे जीवन मेरा तू ही करेगा पार
तुम हो देवी देवता मेरे तुम हो जीवन प्राण
कैसे गाऊँ महिमा तेरी कैसे करूँ बखान हरि बोलो……
तेरे मिलन को मन मेरा दर-दर भटका भगवान
जन्म-जन्म और युगों युगों से खोजूँ तेरा धाम
तू मन में ही बैठा था मैं रहा सदा अन्जान कैसे गाऊँ…
तुमको पाया सब पाया अब नहीं कोई अभिलाषा
इस नश्वर जग से क्या पाया हर कोई जाये प्यासा
तेरी शरण में आया मनुवा स्वीकारो भगवान कैसे गाऊँ…

राम नाम जो मनवा गाये

राम नाम जो मनवा गाए रे पाप कटे क्षण में सुख पाए रे
सियाराम-२ राम राम-२
ये तन तेरा जीवन तेरा मिट जायेगा प्राणी
धन तेरा तेरे संग न जाये क्यों करता मनमानी
प्रभु नाम इक साथ में जाये रे !
पाप कटे क्षण में सुख पाये रे ! सियाराम…
क्यूँ तूने मन उलझाया ये झूठे बन्धन सारे
तेरे जाते ही तुझको भूलेंगे—तेरे प्यारे
मनवा तेरा हरि गुण गाये रे
पाप कटे क्षण में सुख पाये रे सियाराम…
जो भी ध्याये वो सुख पाये नाम सदा सुखदाई
हरि नाम ने कितने सन्तों को ये राह दिखाई
भजले भजले राम की माला रे
पाप कटे क्षण में सुख पाये रे राम नाम जो…

मत कर तू अभिमान रे

बन्दे मत कर तू अभिमान रे झूठी तेरी शान रे मतकर···
तेरे जैसे लाखों आये लाखों इस माटी ने खाये
रहा न नाम निशान रे बन्दे मत कर तू अभिमान रे
झूठी तेरी शान रे···
झूठी माया झूठी काया वो तेरा जो हरि गुण गाया
जपले हरि का नाम रे बन्दे मतकर तू······२
माया का अन्धकार निराला बाहर उजला भीतर काला
इसको तू पहचान रे बन्दे मत कर तू अभिमान रे-३···
तेरे पास हैं हीरे मोती तेरे मन मन्दिर में ज्योति
कौन हुआ धनवान रे बन्दे मत कर तू अभिमान रे-४

जै गणपति जै गणनायक जय गणेश-२

गायक व संगीत—अनूप जलोटा

जै गणपति जै गणनायक जय गणेश-जय गणेश
जै गणपति बन्दन गणनायक तेरी छवि अति सुन्दर सुखदायक···
जै गणपति जै गणनायक···
तू चार भुजाधारी मस्तक सिन्दूरी रूप निराला
है मूषक वाहन तेरो तू ही जग का रखवाला
तेरी सुन्दर सूरत मन में तू पालक सिद्धि विनायक
जय गणपति वंदन गणनायक···
मन मन्दिर का अंधियारा तेरे नाम से हो उजियारा
तेरे नाम की ज्योति जली तो मन में बहती सुखधारा
तेरो सुमिरन हर पूजन में सबसे पहले फलदायक
जय गणपति बन्दनगण नायक···

तेरे नामको जिसने ध्याया उसपर रहती सुख की छाया
मेरे रोम रोम अंतर में एक तेरा रूप समाया
तेरी महिमा तू ही जाने शिव पार्वती के बालक
जय गणपति वन्दन गणनायक…

रंग दे चुनरिया हे गिरधारी

रंग दे चुनरिया-३ रंग दे रंग दे रंग दे चुनरिया
रंग दे चुनरिया ओ हे गिरधारी-३…
कोई कहे इसे मैली चदरिया कोई कहे इसे पाप गठरिया
अपने ही रंग में रंग दे मुरारी रंगदे चुनरिया…
मोह माया में मन भटकाया सुमिरन तेरा ना कर पाया
प्रभु ये बंधन खोलो मेरे आया हूँ मैं द्वारे तेरे
जाऊँ कहाँ तज शरण तिहारी रंग दे चुनरिया…
ये जीवन धन तुमसे पाया प्रभु तुम्हीं से ये स्वर पाया
तेरी ही महिमा गाई न कोई मन की माला मन में सोई
सुमिरन ज्योति जला हितकारी रंग दे चुनरिया…
तुम स्वामी हम बालक तेरे सुनो पुकार तुम्हीं हो मेरे
जन्म जन्म का तुमसे नाता तू ही जग का एक विधाता
एक तुम्हीं से प्रीत हमारी रंग दे चुनरिया…

हे शारदे माँ

हे शारदे माँ—हे शारदे माँ।
अज्ञानता से हमें तार दे माँ॥
तू स्वर की देवी ये संगीत तुझसे

हर स्वर तेरा है हर गीत तुझसे हम हैं अकेले हम हैं अधूरे
तेरी शरण हम हैं हमें प्यार दे माँ हे शारदे माँ...

मुनियों ने समझी गुनियों ने जानी
वेदों की भाषा पुराणों की वाणी
हम भी तो समझे हम भी तो जानें
विद्या का हमको अधिकार दे माँ हे शारदे माँ...

तू श्वेत वर्णी कमल पे विराजे हाथों में वीणा मुकुट सर पे साजे
मन से हमारे मिटा के अंधेरे
हमको उजाला का संसार दे माँ हे शारदे माँ...

हरि को अपना मीत बना ले

(राम सियाराम सियाराम जै जै राम)२
हो हरि को अपना मीत बनाले हर दुख से छुटकारा पाले
(राम सियाराम सियाराम जै जै राम)२...

तन तरुवर पल भर में सूखे आत्मा जिस दिन तन से निकले
प्रिय कोई भी काम न आये बात अभी से तू ये सोचले
हरि गुण से तू मन को सजाले हर दुख से...

जीवन जब तक तन की शोभा लागे हर प्राणी को प्यारी
जीवन पंछी जब उड़ जाए बन जाए तन मिट्टी कारी
एक हरि से लगन लगा ले हर दुख...

भोर भए जब सूरज आये सूरज मुखी फूल खिल जाये
प्रभु का तेज अपार जगत में
मन का अन्धियारा मिट जाये
हरि का तेज तू मन में बसाले हर दुख से छुटकारा पाले
राम सियाराम सियाराम जै जै राम...

तेरे चरण मेरे मथुरा काशी

तेरे चरण मेरे मथुरा काशी बनवारी वृज के वासी
अंखियाँ दर्शन की मतवारी मनमोहन मन के वासी···
तू घट घट में है समाया तेरी महिमा मैं क्या गाऊँ
सब मैंने तुमसे पाया तुमको अब क्या भेंट चढ़ाऊँ
तू ही सब का रखवाला प्रभु मन की जोत प्रकाशी
अंखियाँ दर्शन की मतवारी···
तेरी बंसी की धुन बाजी सबकी सुधबुध खोने लागी
बंसी वट की छैया में तेरी मुरली हर पल गाती
तेरा मोर मुकुट सांवल सूरत अंखियां इस छवि की प्यासी
अंखियाँ दर्शन की मतवारी···
मेरा मन तेरा मन्दिर है भगवान इसमें तू ही समाया
मेरे रोम रोम अंतर में तूने भक्ति का दीप जलाया
तेरी शरण में हूं अपनाले तेरे द्वारे खड़ा अभिलाषी
अंखियां दर्शन की··तेरे चरण मेरे···

रसना निसदिन भज हरि नाम

गीत—बिन्दू जी संगीत गायक—अनूप जलोटा
रसना निसदिन भज हरिनाम राम कृष्ण श्री कृष्ण राम
दोनों सुखकर आनन्द धामभजो रामकृष्ण श्री कृष्णराम
कान्हा या चितचोर कहो या रघुवर अवध किशोर कहो
प्रतिदिन बोलो आठों धाम भजो राम कृष्ण···
राधावर के चरण लगो जानकी रमण की शरण चलो
बोलो राम कृष्ण का नाम भजो राम कृष्ण श्री कृष्ण राम···
राघवसा कोई कृपालू नाहीं माधवसा कोई दयालू नाहीं

भारत जन के आते काम भजो राम कृष्ण……
धनुष धारी मुरली धारी, जय रघुवंशी जय बनवारी-२
प्रेम "बिन्दू" दोनों का धाम भजो राम कृष्ण……

भक्त का मान न टलते देखा

गीत—बिन्दु जी संगीत व गायक—अनूप जलोटा

प्रबल प्रेम के पाले पड़कर भक्त प्रेम के पाले पड़कर
प्रभु को नियम बदलते देखा-२ प्रबल……
अपना मान टले टल जाए, प्रभु का मान टले टल जाए
पर भक्त का मान न टलते देखा-२
जिसकी केवल कृपा दृष्टि से सकल विश्व को पलते देखा-२
उसको गोकुल में माखन पर-२ सौ-सौ बार मचलते देखा-२
अपना मान टले टल जाए पर भक्त का……
जिसका ध्यान बिरंचि शम्भू सनकादिक न संभलते देखा-२
उसको ग्वाल सखा मंडल में, लेकर गेंद उछलते देखा
अपना मान टले टल जाए पर भक्त का……
जिनके चरण कमल कमला के करतल से न निकलते देखा
उनको बृज की कुञ्ज गलिन में कंटक पथ पर चलते देखा
अपना मान………पर भक्त का मान न टलते देखा……
जिस वक्र भृकुटि के बल से सागर सप्त उबलते देखा
उसको माँ यशोदा के भय से अश्रु "बिन्दू" दृग ढलते देखा
अपना मान टले टल जाए पर भक्त……

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया

गीत—मीरा बाई गायक—अनूप जलोटा

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया……
रंग दे चुनरिया होऽऽरंग दे चुनरिया, श्याम पिया……

लाल न रंगाऊँ, मैं हरि न रंगाऊँ
अपने ही रंग में रंग दे चुनरिया श्याम पिया मोरी
विना रंगाये मैं तो घर न जाऊँगी
बीत ही जाये चाहे सारी उमरिया, श्याम पिया·····
जल से पतला कौन है ? कौन भूमि से भारी ?
कौन अगन से तेज है ? कौन काजल से कारी ?
जल से पतला ज्ञान है—और पाप भूमि से भारी
क्रोध अगन से तेज है—और कलंक काजल से कारी
रंग दे चुनरियाऽऽऽऽहो रंग दे चुनरिया
'मीरा' के प्रभु गिरधर नागर प्रभु चरणन में हरिचरणन मैं
श्याम चरण में लागी नजरिया श्याम पिया मोरी·····

चादर हो गई बहुत पुरानी

गीत - सन्त कबीर दास गायक - अनूप जलोटा

चादर हो गई बहुत पुरारी अब सोच समझ अभिमानी···
अजब जुलाहे चादर बीनी सूत करम की तानी
सुरदिनी रसिको भरना दिनी तब सबके मन मानी
अब सोच समझ अभिमानी चादर हो गई·····
मैले दाग पड़े पापन के विषयन में लिपटानी
ज्ञान के हाथों लाय के भीगो सत संगत के पानी
अब सोच समझ अभिमानी···
भई मैली और भीगी सारी लोभ मोह में सानी
ऐसी ही ओढ़त उमर गंवाई भली बुरी नहीं जानी
अब सोच समझ अभिमानी······
शंकामति जान प्रिय अपनी है ये वस्तु विरानी

कहे 'कबीर' ये राख जतन से फिर नहीं हाथ ये आनी
अब सोच समझ अभिमानी चादर हो गई……

तूने नाम जपन क्यों छोड़ दिया

क्रोध न छोड़ा झूठ न छोड़ा सत्य वचन क्यों छोड़ दिया
तूने नाम जपन क्यों छोड़ दिया……
झूठे जग में जी ललचाकर तूने असल वचन क्यों छोड़ दिया
तूने नाम जपन क्यों छोड़ दिया……
कौड़ी को तो खूब संभाला तूने लाल रतन क्यों छोड़ दिया
तूने नाम जपन क्यों छोड़ दिया……
जभी सुमिरन की अति सुख पायो
तूने सुमिरन क्यों छोड़ दिया तूने नाम जपन
हाल से एक भगवान भरोसे
तूने तन मन धन क्यों न छोड़ दिया तूने नाम जपन……

कैसी लागी लगन मीरा हो गई मगन

गीत—मीरा बाई गायक अनूप जलोटा

कैसी लागी लगन मीरा हो मगन
वो तो गली गली हरि गुन गाने लगी
महलों में पली बन के जोगन चली
मीरा रानी दीवानी कहाने लगी कैसी लगी…
कोई रोके नहीं कोई टोके नहीं मीरा गोविंद गोपाल गानेलगी
बैठी सन्तों के संग रंगी मोहन के रंग
मीरा प्रेमी प्रीतम को मनाने लगी वो तो गली गली…

राणा ने विष दिया मानो अमृत पिया
मीरा सागर में सरिता समाने लगी
दुख लाखों सहे मुख से गोविन्द कहे
मीरा गोविंद गोपाल गाने लगी वो तो गली गली·····

जिनके हृदय हरि नाम बसे

गीत—तुलसी दास गायक—अनूप जलोटा

हरि नाम बसे हरिनाम बसे जिनके हृदय हरिनाम बसे
तिन और का नाम लिया न लिया
जिनके द्वारे पर गँग बहे तिन कूप का नीर पिया न पिया
जिनके हृदय हरिनाम बसे तिन और का
जिन काम किया परमार्थ का तिन हाथ से दान दिया न दिया
जिनके हृदय हरिनाम बसे······
जिनके घर एक सपूत भयो तिनलाख कपूत भया न भया
जिनके हृदय हरिनाम बसे तिन और
जिन मात पिताकी सेवा की, तिन तीरथ ब्रत किया न किया
जिनके हृदय हरिनाम बसे तिन और·····
'तुलसीदास' विचार कहें कपटी को मीत किया न किया
जिनके हृदय हरिनाम बसे, तिन और का नामलिया न लिया

मेरा जीवन तेरे हवाले प्रभु

मेरा जीवन तेरे हवाले प्रभु इसे पग पग तू ही संभाले···
भव सागर में जीवन नैया डोल रही है आ रखवैया-२
इसे अब तू आके बचा ले प्रभु इसे पग पग······

मोह माया के बन्धन खोलो हे प्रभु अपनी शरण में लेलो-२
इस पापी को अपना ले प्रभु इसे पग पग……
ये जीवन है तुमसे पाया सब तेरे कोई न पराया-२
सितार ओ बंसी वाले प्रभु इसे पग पग……

जय गोविन्दा गोपाला

जय गोविंदा गोपाला मनमोहन श्याम कन्हैया
मुरलीधर गोपाला घनश्याम नंद के लाला जै गोविंदा
जगपाल तू रास रचैया गोवर्धन गिरधारी
कितने नाम तेरे नटवर तू साँवल कृष्ण मुरारी-२
मोर मुकुट मनहर हों बलिहारी हर ब्रज बाला मुरलीधर-२
तू ही सागर में रमता तू ही धरती पाताल
जहाँ नभ में और जगत में तेरी जै जै कार-२
मेरे मन मन्दिर में स्वामी तुझसे ही उजियाला मुरलीधर…
जिसका कोई नहीं इस जग में उसका मीत कन्हैया
बंसी बजैया रास रचैया काली नाग नथैया-२
राजा हो या दीन भिखारी सबका तू रखवाला मुरलीधर

भजले राम रमैया पार लगेगी तेरी नैया

राम रमैया-राम रमैया-२ राम रमैयाऽऽऽ
कृष्ण कन्हैया-कृष्ण कन्हैया-२ कृष्ण कन्हैयाऽऽ
भजले राम रमैया-२ भजले कृष्ण कन्हैया-पार लगेगी तेरी नैया
जाने अंजाने रस्ते यहाँ के-तुझको भुलानें वाले
भूलभी जाये रस्ता अगर तो हैं राम बतानेवाले

भजले राम रमैया राम सुमिर हो भैया…
एक तुम्हारे राम सहारे ये जीवन की डोरी
तू चाहे तो पार लगेगी जीवन नैया मोरी-२
भजले राम रमैयाऽऽएक वही रखवैया
नैन हमारे श्याम तुम्हारे रूप में खोये खोये
कैसी प्रीत जगी मन माला तेरोनाम पिरोये-२
भज ले कृष्ण कन्हैया मनहर बंसी बजैया…

कभी-कभी भगवान को भी भक्तों से काम पड़े

जाना था गंगा पार प्रभु केवट की नाव चढ़े
कभी कभी भगवान को भक्तों से काम पड़े…
अवध छोड़ प्रभु वन को धाये सियाराम लखन गंगातट आये
केवट मन ही मन हर्षाये घर बैठे प्रभु दर्शन पाये
हाथ जोड़कर प्रभु के आगे केवट मगन खड़े
कभी-कभी भगवान को…
प्रभु बोले तुम नाव चलाओ पार हमें केवट पहुंचाओ
केवट कहता सुनो हमारी चरण धूल की माया भारी
मैं गरीब नैया मेरी नावी न होय पड़े कभी कभी…
केवट दौड़ कर जल भर लाया चरण धोये चरणामृत पाया
वेद ग्रन्थ जिनके यश गाये केवट उनको नाव चढ़ाये
बरसे फूल गगन से ऐसे भक्त के भाग बड़े
कभी कभी भगवान को…
चली नाव गंगा की धारा सियाराम लखन को पार उतारा
प्रभु देने लगे नाव उतराई केवट कहे नहीं रघुराई
पार किया मैंने तुमको अब तू मोहे पारकरे. कभी-२ भगवान

माटी कहे कुम्हार से (दोहे)

माटी कहे कुम्हार से तू क्या रौन्दे मोहे।
एक दिन ऐसा आयेगा मैं रौन्दूंगा तोहे ॥
आये हैं सो जायेंगे राजा-रंक-फकीर।
एक सिंहासन चढ़ि चले एक बंधे जंजीर ॥
दुर्बल को न सताईये जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की हाय से लोह भसम हो जाये ॥
रहिमन धागा प्रेम का ना तोड़ो चटकाये।
टूटे से फिर ये न जुड़े जुड़े तो गांठि पड़ जाये ॥
ऐसी देनी देन ज्यों किन सीखे वो सैन।
ज्यों ज्यों कर ऊँचो करो त्यों त्यों नीचे नैन ॥
देन हार कोई और है भेजत जो दिन रैन।
लोग भरम हम पर करें तासो नीचे नैन ॥
तुलसी इस संसार में सब से मिलिये धाये।
ना जाने किस वेष में नारायण मिल जायें ॥

जय जगदम्बे माँ

जय जगदम्बे मां जय माँ जय जगदम्बे माँ जय माँ
गौरवशाली वैभवशाली तुझको करूं प्रणाम जगदम्बे···
मुझे बचाते पीड़ाओं से वरद हस्त जो तेरे
तेरे मन्दिर आते जाते पाँव थके न मेरे जय मां-२···
तूने माता सदा बनाये बिगड़े काम जगदम्बे···
तेरी महिमा में क्या गाऊँ सारी दुनियाँ जाने
उसको विपदा कभी न घेरे जो कोई तुझको माने
जय मां जय माँ तेरे दो चरणों में देखे मैंने चारों धाम
जगदम्बे जय जगदम्बे मां जय माँ···

माता तेरे सुमिरन में ये कैसा अमृत पाया
मोह जगत से दूर हुए भय कोई न मन में आया
जय माँ जय माँ तुमको गाऊँ तुमको ध्याऊँ
माता सुबहो शाम जगदम्बे जय जगदम्बे मां...

हरि नाम का प्याला

हरि नाम का प्याला हरे कृष्ण की हाला
ऐसी हाला पी-पी करके चला चले मतवाला
राधा जैसी बाला और वृन्दावन का ग्वाला
ऐसा ग्वाला मुरली मनोहर जपो कृष्ण की माला।
हरिनाम का प्याला हरे कृष्ण की हाला ऐसी हाला......
हरे कृष्ण का जप हो और हरे कृष्ण की माला
देव ज्योत ले हृदय शुद्ध हो निकले मन की ज्वाला
हरि नाम का प्याला ...ऐसी हाला पी पी करके......
कृष्ण की धुन में तन हो और हरे कृष्ण में मन हो
ऐसे तन मन के मन्दिर में कृष्ण डाले माला
हरि नाम का प्याला हरे कृष्ण की हाला......
हरे कृष्ण में बल है कृष्ण जल और थल है
ऐसे जल थल नभ में पीलो नारायण की हाला
हरि नाम का प्याला हरे कृष्ण की हाला ऐसी हाला...

प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा

गीत—रैदास गायक व संगीत—अनूप जलोटा

प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी जाकी अंग-अंग वास समानी
प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी...

प्रभु जी तुम घन वन हम मोरा जैसे चितवन चन्द्रचकोरा
प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी…
प्रभु जी तुम दीपक हम बाती
जाकी जोत बरै दिन राती प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी…
प्रभु जी तुम मोती हम धागा
जैसे सोने में मिलत सुहागा प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी…
प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा ऐसी भगती करे "रैदासा"
प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी…

वो काला एक बाँसुरी वाला

वो काला एक बांसुरी वाला सुध बिसरा गया मोरी रे
वो काला एक बाँसुरी वाला माखन चोर जो नन्दकिशोर
वो कर गयो मन की चोरी रे सुध बिसरा गया मोरी रे…
पनघट पे मोरी बैयां मरोड़ी मैं बोली तो मोरी मटकी फोड़ी
पैयां पड़ूँ करूँ विनती मैं पर माने ना इक मोरी रे
सुध बिसरा गया मोरी रे वो काला एक…
छुप गयो फिर तान सुना के कहां गयो एक बाण चलाके
गोकुल ढूंढा मैंने मथुरा ढूंढी कोई नगरिया ना छोड़ी रे
सुध बिसरा गया मोरी रे वो काला एक बांसुरी वाला…

राम नाम की अमर कथा

गीत— सरस्वती कुमार दीपक गायक अनूप जलोटा
राम नाम की अमर कथा राम नाम की अमर कथा
मिटा रही है जो घर घर की घिरी हुई घनघोर घटा

राम नाम की अमर कथा राम नाम की अमर कथा…
बालपने में विश्वामित्र मुनि के संकट को टाला था-२
करी यज्ञ की रक्षा प्रभु ने रक्षा का प्रण पाला था-२
पत्थर बनी अहिल्या का था रघुवर ने उद्धार किया
धनुष तोड़कर जनक पुरी में सीता को स्वीकार किया
राम नाम की अमर कथा-२ मिटा रही है…

माता वचन निभाया प्रभु ने राज मुकुट को ठुकराया-२
चले गये बनवास अयोध्या के वैभव को बिसराया-२
केवट को भी गले लगाकर भेद भाव को मिटा दिया
लखन सिया के साथ राम ने सुर सरिता को वार दिया
राम नाम की अमर कथा-२ मिटा रही है…

कंचन हिरन बने राक्षस ने सीता का मन मोह लिया-२
साधु रूप धर कर रावण ने जब सीता को चुरा लिया-२
पवनपुत्र ने सोने की लंका में भड़काई ज्वाला
वानर दल के साथ चला था इस धरती का रखवाला
राम नाम की अमर कथा-२ मिटा रही है…

उड़ जायेगा हंस अकेला

उड़ जायेगा हंस अकेला दो दिन का दर्शन मेला…
राजा भी जायेगा जोगी भी जायेगा गुरू भी जायेगा चेला
उड़ जायेगा हंस अकेला…
माता-पिता भाई बन्धु भी जायेंगे औरये धन का थैला ।

तन भी जायेगा मन भी जायेगा तू क्यों भया है गेला ॥
उड़ जाएगा हंस अकेला···

तू भी जायेगा तेरा भी जायेगा सब माया का खेला ।
कौड़ी-कौड़ी माया-जोड़ी संग चले न अधेला ॥
उड़ जाएगा हंस अकेला···

साथी रे साथी तेरे पार उतर गये तू क्यों रहा अकेला ।
राम नाम निष्काम रटो नर बीती जाये है बेला ॥
उड़ जायेगा हंस अकेला···

राम है जीवन कर्म है श्याम

राम है जीवन कर्म है श्याम बोलो हरे राम बोलो हरे श्याम···
जो नर दुःख में दुःख नहिं मानें नाहीं निन्दा अस्तुति जानें
काम क्रोध जेहि परसे नाहीं गुरू कृपा सोही नर सुख पाहीं
सुख का विधाता है तेरो नाम बोलो हरे राम···
कोटि वेद जाको यश गावे विद्या कोटि पार न पावें
अगम अपार पार नहिं जाको नाम सुमिर सब जन सुख ताको
अगम पंथ है राम और श्याम बोलो हरे राम···

सुन नाथ अरज अब मेरी

गीत—ब्रह्मानन्द जी गायक—अनूप जलोटा

सुन नाथ अरज अब मेरी मैं शरण पड़ा प्रभु तेरी···
तुम मानुष तन मोहे दीना भजन प्रभु तुम्हारा नहीं कीना
विषयों ने मेरी मति फेरी सुन नाथ···

सुत दारा दिक ये परिवारा सब स्वार्थ का है संसार
जिन हेतु पाप किये ढेरी मैं शरण...

माया में ये जीव लुभाया रूप नहीं पर तुमरा जाना
पड़ा जनम मरण को फेरी मैं शरण...

भव सागर में नीर अपारा मोहे कृपालू प्रभु करो पारा
"ब्रह्मानन्द" करो नहीं देरी मैं शरण पड़ा प्रभु तेरी
सुन नाथ सुन नाथ सुन नाथ सुन नाथ अरज अब मेरी...

क्यों पानी में मल-मल नहाये

गीत—ब्रह्मानन्द जी गायक—अनूप जलोटा

माला फेरत जुग भया गया न मन का फेर।
कर का मनका डार दे मन का मनका फेर ॥
क्यों पानी में मल मल नहाये
मन की मैल उतार ओ प्राणी मन की मैल उतार...

पाप कर्म तन के नहीं छोड़े-२
कैसे होये सुधार क्यों पानी में मल मल नहाये...

हाड़ माँस की देह बनी है-२
धरी सदा नव द्वार ओ प्यारे मन की मैल...

सत संगत तीरथ जल निर्मल
नित उठ गोता मार ओ प्राणी मन की मैल...

"ब्रह्मानन्द" भजन कर हरि का
जो चाहै निस्तार ओ प्राणी मन की मैल...

मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो

गीत—सूरदास
गायक—अनूप जलोटा

मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो-२…
भोर भयो गैयन के पीछे तूने मधुवन मोहि पठायो
चार पहर बंसी वट भटक्यो साँझ परे घर आयो
मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो…
मैं बालक बहियन को छोटो ये छींका किस विधि पायो
ये ग्वाल वाल सब बैर पड़े हैं बरबस मुख लपटायो
मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो ओ मेरी मैया…
अरी अरी ओ मेरी मैया…
अरी प्यारी मेरी मैया…
अरे भोली मेरी मैया…
तू जननी मन की अति भोरी इनके कहे पतियायो
मैया ये ले अपनो लकुटि कमरिया
तूने बहुत ही नचायो मैया मोरी मैं नहीं माखन खायों…
मैया मैं नहिं माखन खायो…
जिय तेरे कुछ भेद उपजि है तूने मोहे जानि परायो जायो
"सूरदास" तब हंसी यशोदा ले उर कण्ठ लगायो
नयन नीर भर आयो कन्हैया तै नहिं माखन खायो-४

हरि नाम सुमिर सुख धाम

गीत—ब्रह्मानन्द जी
गायक—अनूप जलोटा

हरिनाम सुमर सुख धाम जगत में जीवन दो दिन का
सुन्दर काया देख लुभाया—गर्व करे तन का

जरि गई देह—बिखर गई काया—ज्यूँ माला मनका
हरिनाम सुमर सुख धाम...

काम क्रोध में उलझ के प्राणी—मौज करे मन का
काल बली का लगा तमाचा—भूल गया ठन का
हरिनाम सुमर सुख धाम

झूठ-कपट कर माया जोड़ी—गर्व करे धन का
सभी छोड़कर चल मुसाफिर—बास हुआ वन का
हरिनाम सुमर सुख धाम...

ये संसार स्वप्न की माया—मेला पल छिन का
'ब्रह्मानन्द' भजन कर बन्दे—नाथ निरंजन का
हरिनाम सुमर सुख धाम...

सांवरिया मोरी नैया तरा दे

साँवरिया मोरी नैया तरा दे रे सांवरिया मोरी नैया तरा दे रे
नैया तरा दे पार लगा दे-२
नन्हा नाई सदन कराई हुई मस्तानी मीरा बाई
ऐसा ही मुझे मस्त बना दे रे नैया तरा दे......
गज के आकर फंद छुड़ायो द्रुपद सुता के चीर बढ़ायो
ऐसा ही मुझे भक्त बनादे रे नैया तरा दे......
मोह के वश में अर्जुन आया, रूप विराट से हर ली माया
ऐसा ही मुझे रूप दिखादे रे नैया तरादे......
साँवरिया मोरी नैया पार लगादे रे नैया तरादे पार लगादे-२

चदरिया राम रस भीनी

गीत—कबीर दास संगीत गायक—अनूप जलोटा

कबीरा जब हम पैदा होए जग हँसे हम रोए।
ऐसी करनी कर चलो हम हंसे जग रोए॥
चदरिया झीनी रे झीनी है राम नाम रस झीनी
चदरिया झीनी रे झीनी…
अष्ट कंवल चरखा बनाया पाँच तत्व की पूनी
नौ दस मास बुनन को लागे मूरख मैली कीनी
चदरियाऽऽराम नाम रस झीनी झीनी रे झीनी चदरिया…
जब मोरी चादर बनकर आई रंग रेज को दीनी
कैसा रंग रंगा रंग रेंज ने कि लालो लाल कर दीनी
चदरिया……झीनी रे झीनी चदरिया राम राम…
चादर ओढ़ शंका मत करियो ये दो दिन तुमको दीनी चदरिया
मूरख लोग भेद नहीं जाने
दिन दिन मैली कीनी चदरिया—झीनी रे झीनी…
ध्रुव-प्रह्लाद सुदामा ने ओढ़ी
शुक देव ने निर्मल कीनी चदरिया
दास 'कबीर' ने ऐसी ओढ़ी ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया
राम नाम रस झीनी झीनी रे……

जै सिया राम राम

तन तंबूरा तार मन अदभुत है ये साज।
हरि के कर से बज रहा हरि की है आवाज॥

तन के तंबूरे में—दो साँसों के तार बोले
जै सिया राम-राम जै राधेश्याम श्याम……
अब तो इस मन के मन्दिर में प्रभु का हुआ बसेरा
मगन हुआ मन फेरा छूटा जनम जनम का फेरा
मन की मुरलिया में ऽऽसुर का सिंगार बोले
जै सिया राम राम जै राधेश्याम श्याम तन के तंबूरे…
लगन लगी लीलाधारी से जगी रे जगमग ज्योति
राम नाम का हीरा पाया श्याम नाम का मोती
प्यासी दो अंखियों में ऽऽआँसुओं की धार बोले
जै सियाराम राम जै राधेश्याम, तन के तंबूरे……

भज निस दिन राम चन्द्रम्

गायक व संगीत : अनूप जलोटा

भज निसदिन रामचन्द्रम् चन्द्र सुख राजीव लोचन
सकल संकट शोक हर्ता पाप भय संताप मोचन
भज निस दिन राम चन्द्रम्……
लौ लगा श्रीराम चरणों में हृदय में ज्ञान भर ले
राम जी के नाम धन से भक्ति का भन्डार भर ले
धन्य वो धनवान जोड़ें जो हरि हर नाम का धन
भज निस दिन राम चन्द्रम्……
धाम प्यारे राम जी का ना अयोध्या है ना काशी
भक्त के मन में विराजे राम निर्मल मन निवासी
मन का मन्दिर छोड़कर मत जा कहीं तू राम खोजन
भज निस दिन राम चन्द्रम्……

राम में रम जा तू ऐसे जैसे चंदन में सुगन्धी
भक्ति तोरी बाँध हो जा राम के चरणों का पंछी
राम तो जीवन समर्पित राम तो तन राम तो मन
भज निस दिन रामचन्द्रम्……

राम धुन गाले रे मेरे मन

राम श्रीराम कौसल्या के दुलारे राम
राम श्रीराम दशरथ प्यारे राम
राम श्री राम सीता राम रघुपति राघव राजा राम
छोड़कर सारे पागलपन रामधुन गा ले रे मेरे मन…

राम कथा शिव पुनि पुनि गाई जगजननी के असि भाई
ब्रह्मा गणपति गणनायक ने तन मन किया श्रवण
क्रूर कराल दस्तूर नाकर किस दिन पापों से उकता कर
राम कृपा से मरा मरा जप बदला अपना मन……

जिसको सबने ठोकर मारी माना सदा अमंगलकारी…
अमर हो गया उस तुलसी का रामचरित गायन……
राम नाम का मिले सहारा जनम मरण से हो छुटकारा
माया में मत उलझ नष्ट मत कर अपना जीवन……

बोलो साईं नाथ

हरिद्वार काशी मथुरा या वृन्दावन का वास
गंगा जमुना मस्जिद इक साईं बाबा बोलो साईं नाथ…

साँचा सांई जग पर छाई जग पर छाई साँचा साईं
हर सुबह हर शाम बोलो सांई नाथ......
साईं रस्ता राही साईं ने मंजिल मन चाही
सांई सुमिरन सांई वंदन सांई अमृत सांई चन्दन
साईं पूजा और न दूजा शिरडी जैसा धाम
बोलो साईं.....बोलो सांई नाथ......
बड़ा न छोटा साईं के दर-हम सब नदिया साई समुन्दर
साईं दीपक साईं बाती ज्योति जिसकी सुख बरसाती
धूप छाँव में शहर गांव में
जहाँ-मिलें-विश्राम-बोलो साँई नाथ......
भूल करें हम माफ करे साईं सम सबसे इंसाफ करे साईं
ऊँचा नीचा कोई न जिसको क्यों न भाए फिर हम उसको
जीवन दुविधा सांई सुविधा बोलो सांई नाथ

साईं बाबा हम तो तेरे हैं

गायक—अनूप जलोटा

जैसे भी हैं अब हैं सांई हम तो तेरे हैं
तेरे रंग में रंगे हमारे सांझ सवेरे हैं
बाबा—हम तो तेरे हैं......

तेरे बारे में कहते हैं शिर्डी वाले लोग
तूने जिसको छुआन आया उसको कोई रोग
तूने ही हर दीन दुखी दुर्दिन फेरे हैं
बाबा हम तो तेरे हैं......

दूर दूर से लोग हजारों आते तेरे द्वार
जो भी तेरे द्वारे आया पाया उसने प्यार
तेरा दर वो जहाँ से कोसों दूर अंधेरे
बाबा हम तो तेरे हैं···
जहाँ जहाँ पूजा हो तेरी वहाँ न दुख का काम
कोई करे सलाम तुझे तो कोई करे प्रणाम
उनको हर पल सुख जो तेरी माला फेरे हैं
बाबा हम तो तेरे हैं···

बाबा मेरे दरस दिखाने आजा

गायक : अनूप जलोटा

बाबा मेरे दरस दिखाने आजा······
तेरी सुरतिया सबसे प्यारी तेरे दर्श का मैं हूँ भिखारी
दर्शन देने आजा—बाबा मेरे दरस दिखाने आजा·····
तू है सबसे सांचा साईं सबकी बिगड़ी बात बनाई
पार लगाने आजा---बाबा···
साईं तुझबिन चैन न पाऊँ और मैं किसके द्वारे जाऊँ
राह दिखाने आजा--बाबा···

बोलो साईं बाबा

गायक—अनूप जलोटा

बोलो जय साईं बाबा जय जय साईं बाबा······
छोटों और बड़ों को जिसने समझा सदा समान

हर इन्सान के अन्दर जिसने देखा है भगवान
बोलो जय सांई बाबा……
मंदिर मस्जिद गिरजाघर से किया एक सा प्यार
जिसने अपनाया था सबकी सेवा का संसार बोलो…
कहाँ रहे क्या क्या किया नहीं किसी को ज्ञान
लेकिन सबको दे गया सेवा का वरदान बोलो…
एक नाम का एक रूप का सदा किया था जाँच
सेवा में भगवान बसे हैं काँटा कर दे पार बोलो…
बाबा में ही राम थे बाबा में ही श्याम
शिर्डी जिससे बन गया सब पूजा का स्थान
बोलो जय साई बाबा जय जय सांई बाबा……

मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका साईं

गायक—अनूप जलोटा

वो फूल न अब तक पाया जो फूल चढ़ाने हैं तुझ पर
मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका साईं भटक रहा हूँ डगर-२
वो फूल न अब तक चुन पाया…

मुझमें ही दोष रहा होगा मन तुझको अर्पण कर न सका
तू मुझको देख रहा तब से मैं तेरा दरशन कर न सका
हर दिन हर पल चलता रहता संग्राम कहीं मन के भीतर
मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका साईं भटक रहा हूँ डगर-२
क्या दुख क्या सुख भूल मेरी मैं उलझा हूँ इन बातों में
दिन खोया सोने चाँदी में सोया मैं बेसुध रातों में

तब ध्यान किया मैंने टकराया पग से जब पत्थर
मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका...
मैं धूप छाँव के बीच कहीं माटी के तन को लिए फिरा
उस जगह मुझे थामा तूने मैं भूले से जिस जगह गिरा
अब तू ही पथ दिखला मुझको सदियों से हूँ घर से बेघर
मैं तेरा द्वार न ढूँढ सका...

साईं नाम दिए जैसा

गायक—अनूप जलोटा

मल के गहरे अंधियारे में साईं नाम दिए जैसा......
जिसने साईं-साईं गाया उसने जीवन का सुख पाया
साँसों के बहते धागे में साईं नाम दिए जैसा......
क्या मेरा क्या मेरा अपना सारा जग है झूठा सपना
जग यात्रा के चौराहे में साईं नाम दिए जैसा......
कोई न जिसका इस दुनियाँ में साईं उसकी बाहें थामे
बिन चंदा के पतवारें में साईं नाम दिए जैसा......

गीत तुम्हारे गाता

गायक—अनूप जलोटा

जहाँ जहाँ मैं जाता साईं गीत तुम्हारे गाता......
मेरे मन मन्दिर में साईं तुमने ज्योत जगाई
बीच भंवर में उलझी नैया तुमने पार लगाई

इस दुनियाँ के दुखियारों से तुमने जोड़ा नाता
गीत तुम्हारे गाता......
साई मेरे तुम न होते देता कौन सहारा
इस दुनियाँ की डगर डगर पर फिरता मारा-मारा
जिसको किस्मत ठुकरा दे तू उसका भाग जगाता
गीत तुम्हारे गाता जहां-जहाँ......
मस्जिद मंदिर गुरुद्वारे में साईं तुम्हीं समाये
गंगाजल और आबे जमजम तुमने एक बनाये
मेरी विनती सुनलो बाबा कबसे तुम्हें बुलाता
गीत तुम्हारे गाता जहाँ-जहां......

मेरा साईं सभी में समाया

गायक—अनूप जलोटा

साईं राम कृष्ण रहमान साईं गीता वेद कुरान
चाहे राम कहो रहमान कहो चाहे श्याम कहो भगवान कहो
मेरा साईं सभी में समाया सब पर उसकी छाया...
साईं के दरबार में देखा कोई नहीं है पराया
जो भी उसकी शरण में आया उसको गले लगाया
चाहे कृष्ण कहो करीम कहो चाहे राम कहो रहीम कहो
मेरा साईं सभी में समाया...
दुनियाँ भर के सब सन्तों में साईं की बानी
जो भी सुनता उसको लगता है अपनी राम कहानी
चाहे सूर की हो चाहे मीरा की

चाहे नानक की हो या कबीरा की
मेरा साईं सभी में समाया···
मुसलमान हो हिन्दू सिख हो सब साईं के प्यारे
जैन बुद्ध हो या ईसाई सब आँखों के तारे
गीता को पढ़ो या कुरान पढ़ो
गुरुवाणी पढ़ो या पुराण पढ़ो
मेरा साईं सभी में समाया···

हरिओम शरण के भजन

तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार

गायक—हरिओम शरण

राम नाम सोही जानिए जो रमता जहान।
घट घट में जो रम रहा उसको राम पहचान॥
तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करे
काहे को डरे रे काहे को डरे रे काहे को डरे········
नैया तेरी राम हवाले लहर-लहर हरि आप संभाले-२
हरि आप ही उठावें तेरा भार उदासी मन·······
काबू में मंझधार उसी के हाथों में पतवार उसी के-२
तेरी हार भी नहीं है तेरी हार उदासी मन·····
गर निर्दोष तुझे क्या डर है पग-२पर साथी ईश्वर है-२
जरा भावना से कीजिए पुकार उदासी मन······

सहज किनारा मिल जाएगा रे··· मिल जाएगा मिल जाएगा
सहज किनारा मिल जाएगा परम सहारा मिल जाएगा
डोरी सौंप के तो देख इक बार उदासी मन ······

स्वीकारो मेरे प्रणाम

गायक—हरिओम शरण

विघ्न हरण गौरी के नन्दन सुमिरन सदा सुखदाई रे
तुलसीदास जो गणपति सुमिरे कोटि विघन टल जाई रे
वेद पुराण कथा से पहले जो सुमिरै सुखदाई रे
अष्टसिद्धि नवसिद्धि लक्ष्मी मन इच्छा फलदाई रे
सुख वरण प्रभु नारायण हे दुख हरण प्रभु नारायण हे
त्रिलोक पति दाता सुखधाम स्वीकारो मेरे प्रणाम-२
स्वीकारो मेरे प्रणाम प्रभु स्वीकारो मेरे प्रणाम
मन वाणी में वो शक्ति कहां जो महिमा तुमरी गान करें
हे अगम अगोचर अविकारी निर्लेप हो हर शक्ति से परे
हम और तो कुछ भी जाने ना,
केवल गाते हैं पावन नाम स्वीकारो मेरे प्रणाम·····
आदि मध्य और अन्त तुम्हीं और तुम्हीं आत्मा अधारे हो
भक्तों के तुम प्राण प्रभु इस जीवन के रखवारे हो
तुम में जीवें जनमें तुममें
और अन्त करें तुममें विश्राम स्वीकारो मेरे प्रणाम···
चरण कमल का ध्यान धरूं
और प्राण करे सुमिरन तेरा

दीन आश्रम दीना नाथ प्रभु भव बंधन काटो हरि मेरा
शरणागत के श्याम हरि हे नाथ मुझे तुम लेना थाम
स्वीकारो मेरे प्रणाम......

उद्धार करो भगवान-तुमरी शरण पड़े

गायक — हरिओम शरण

सियाराम मय सब जगजानी करहूं प्रणाम जोरि जुगपानी
जपहिं नाम जन आरत भारी मिटहिं कुसंकट होंहि सुखारी
नाम लेत भव सिंधु सुखाहीं करहू विचार सुजन मनमाँही
उद्धार करो भगवान तुम्हरी शरण पड़े
भव पार करो भगवान तुमरी शरण पड़े शरण पड़े उद्धार
कैसे तेरो नाम ध्यायें कैसे तुमरी लगन लगावें-२
हृदय जगादो ज्ञान तुमरी शरण पड़े उद्धार करो......
पंथ मतों की सुन-सुन बातें द्वार तेरे तक पहुंच न पाते-२
भटके बीच जहान तुम्हरी शरण पड़े......
तू ही श्यामल कृष्ण मुरारी राम तुही गणपति त्रिपुरारी
तुम ही बने हनुमान तुमरी शरण पड़े...
ऐसी अन्तर जोत जगाना हम दीनों को शरण लगाना
हे प्रभु दया निधान तुमरी शरण पड़े उद्धार...

ऐसा प्यार बहा दे मैया

गायक—हरिओम शरण

या देवि सर्वभूतेषु दया रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥

दुर्गा दुर्गति दूर कर मंगल कर सब काज ।
मन मन्दिर उज्जवल करो कृपा करके आज ।।
ऐसा प्यार बहादे मैया चरणों से लग जाऊँ मैं-२
सब अन्धकार मिटा दे मैया दरस तेरा कर पाऊँ मैं ऐसा
जग में आकर जग को मैया अब तक न पहचान सका
क्यों आया हूँ कहाँ जाना ये भी न मैं जान सका
तू है अगम अगोचर मैया कहो कैसे लख पाऊँ मैं
ऐसा प्यार बहादे मैया......
करो कृपा जगदम्ब भवानी मैं बालक नादान हूं
नहीं अराधन जप तप जानूं मैं अवगुण की खान हूँ
दे ऐसा वरदान हे मैया सुमिरन तेरा गाऊँ मैं
ऐसा प्यार बहा दे मैया......
मैं बालक तू मैया मेरी निसदिन तेरी ओट है
तेरी कृपा ही में मेरी भीतर जो भी खोट है
शरण लगालो मुझको मैया तुझ पर बलि बलि जाऊँ मैं
ऐसा प्यार बहादे मैया.....

दाता एक राम भिखारी सारी दुनियाँ

गायक – अनूप जलोटा

दाता एक राम भिखारी सारी दुनियाँ
राम एक देवता पुजारी सारी दुनियाँ दाता एक...
द्वारे पे उसके जा के कोई भी पुकारता
परम कृपा दे अपनी भव से उबारता
ऐसे दीना नाथ पे बलिहारी सारी दुनियाँ दाता...

दो दिन का जीवन प्राणी कर ले विचार तू
प्यारे प्रभु को अपने मन में निहार तू
बिना हरिनाम के दुखियारी सारी दुनियाँ दाता···
नाम का प्रकाश जब अन्दर जगाएगा
प्यारे श्री राम का तू दर्शन पायेगा
ज्योति से जिसकी है उजियारी सारी दुनियां दाता···

जै नन्दलाला जै गोपाला

गायक—हरिओम शरण

जै गणेश गणनाथ दयानिधि सकल विघ्न कर दूर हमारे।
मम वंदन स्वीकार करो प्रभु चरन शरण हम आये तुम्हारे ॥
जै नन्दलाला जै गोपाला जै नन्दलाला जै जै
श्री राधे गोविन्दा मन भज ले हरि का प्यारा नाम है
गोपाला हरि का प्यारा नाम है
नन्दलाला हरि का प्यारा नाम है श्री राधे गोविन्दा···
मोर मुकुट सिर गल बनमाला केसर तिलक लगाये
वृन्दावन की कुंज गलिन में सबको नाच नचाए
श्री राधे गोविन्दा·····जै नन्दलाला जै गोपाला···
जमुना किनारे धेनू चरावे माधव मदन मुरारी
मधुर मुरलिया जभी बजावे हरले सुध बुधसारी
श्री राधे गोविन्दा मन भजले हरि का·····
गिरधर नागर कहती मीरा सूर को श्याम लुभाया
तुका राम और नामदेव ने विट्ठल विट्ठल गाया
श्री राधे गोविन्दा मन भज ले·····

राधा शक्ति बिना ना कोई श्यामल दर्शन पावे
आराधन कर राधे राधे कान्हा भागे आवे श्री राधे···

साईं तेरी याद महा सुखदाई

जिस घर में हो आरती चरण कमल चितलाय।
तहाँ हरि वासा करें जोत अनन्त जगाय॥
जहाँ भक्त कीर्तन करे बहें प्रेम दरयाव।
तहाँ हरि श्रवण करें सत्य लोक से आव॥
सब कुछ दीन्हा आपने भेंट करूँ क्या नाथ ?
नमस्कार की भेंट लो जोड़ूं मैं दोनों हाथ॥

साईं तेरी याद महा सुखदाई
एक तू ही रखवाला जग में-२ तू ही सदा सहाई साईं
तुझको भूला जग दुखियारा सुमिरन बिन मन में अंधियारा
तूने कृपा बरसाई साईं तेरी याद···
मन ही है ये तेरा द्वारा बैठ यहीं पे तुझको पुकारा
प्रेम की ज्योति जलाई साईं तेरी याद·····
साँची प्रीत तुम्हारी दाता इस जग का सब झूठा नाता
हूं चरनन शरणाई साईं तेरी याद···

प्रभु हम पे कृपा करना

प्रभु हमपे कृपा करना प्रभु हम पे दया करना
बैकुण्ठ तो यही है हृदय में रहा करना प्रभु···

तुम्हीं ने राग बनकर वीणा की तार बनके
प्रकटो हे नाथ मेरे हृदय में प्यार बनके
हर रागिनी की धुन पर स्वर बनके उठा करना
प्रभु हमपे कृपा करना......
नाचेंगे मोर बनकर हे श्याम तेरे द्वारे
घनश्याम छाये रहना बन करके मेघ कारे
अमृत की धार बनकर प्यासों पे दया करना
प्रभु हमपे कृपा करना......
तेरे वियोग में हम दिन रात हैं उदासी
अपनी शरण में ले लो हे नाथ ब्रज के वासी
तुम सोऽऽऽहम शब्द बनकर प्राणों में रमा करना
प्रभु हम पे कृपा करना......

मैली चादर ओढ़ के

गायक—हरिओम शरण

मैली चादर ओढ़ के कैसे द्वार तुम्हारे आऊँ-२
हे पावन परमेश्वर मेरे मन ही मन शरमाऊं मैली......
तूने मुझको जग में भेजा निर्मल देकर काया
आकर के संसार में मैंने इसको दाग लगाया
जन्म जन्म की मैली चादर कैसे दाग छुड़ाऊँ मैली चादर...
निर्मल वाणी पाकर तुझसे नाम न तेरा गाया
नैन मूँद कर हे परमेश्वर कभी न तुझको ध्याया
मन वीणा की तारें टूटीं अब क्या गीत सुनाऊँ मैली...
इन पैरों से चलकर तेरे मन्दिर कभी न आया

जहाँ जहां हो पूजा तेरी कभी न शीश झुकाया
हे हरिहर मैं हार के आया अब क्या हार चढ़ाऊं मैली

राम सुमिर के रहम करे ना

गायक—हरिओम शरण

राम सुमिर के रहम करे ना फिर कैसे सुख पाएगा
कृष्ण सुमिर के करम करे ना यूँ ही जग से जायेगा···
ओ भगवान को भजने वाले क्या भगवान को जाना है?
पास पड़ौस दु:खी दीनों में क्या उसको पहचाना है
जब तक तेरी खुदी न टूटे खुदा नजर न आयेगा
राम सुमिर के रहम करे ना·····

ये संसार कर्म की खेती जो बोये वो ही पाये
प्रेम प्यार में सींच ले जीवन ये अवसर फिर न आये
चार दिनों का जीवन है ये कब तक ठोकर खायेगा
राम सुमिर के रहम करे ना······

अन्दर तेरे अर्न्तयामी रोज तुझे समझाता है-२
भला बुरा क्या करना तुझको राह तुझे दिखलाता है
मन की कही पे चलने वाले फिर पीछे पछतायेगा
राम सुमिर के रहम करे ना······

शरण गये बिन जाप है निष्फल निष्फल है जीवन तेरा
जन्म मरण की साध न छूटे रहे दुखों से नित घेरा
पाप गठरिया भारी हो गई कैसे बोझ उठायेगा
राम सुमिर के रहम करे ना······

आरती कुन्ज बिहारी की

गायक—हरिओम शरण

'वसुदेव सुतं देवं कंस चाणूर मर्दनम् ।
देवकी परमानन्दम् कृष्ण वंदे जगद् गुरुम ॥'

आरती कुंज बिहारी की श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की-२
गले में बैजंती माला-माला बजावे मुरली मधुर बाला बाला
श्रवण में कुण्डल झलकाला·····झलकाला
नन्द के नन्द श्री आनन्द कंद, मोहन ब्रजचन्द
राधिका रमण बिहारी की श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की
आरती कुंज बिहारी की श्री गिरधर······
गगन सम अंग कांति·····काली
राधिका चमक रही थाली·····थाली
लतन में ठाड़े बनमाली·····बनमाली
चंवर सी झलक कस्तूरी तिलक चन्द्र सी झलक
ललित छवि श्यामा प्यारी की श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की
जहां पे प्रकट भई गंगा·····गंगा
कलुष कलि मल हारी श्री गंगा···गंगा
मरण पे होत मोह भंगा···भंगा
बसी शिव शीश, जटा के बीच हरे अधकीश
चरण छवि श्री बनवारी की
श्री गिरधर कृष्ण मुरारी की आरती कुंज बिहारी की··

राम रहीम राम राम

गायक – हरिओम शरण

श्याम कहो सांई कहो रहिमन कहो या राम ।
सब में उसकी जोत है अनगिनत उसके नाम ।।
राम रहीम राम राम कृष्ण साईं श्याम……
रहिमन रहम करे सदा राम दे आराम
श्याम सँवारे काज सब शरण होये जप नाम राम रहीम…
धारण करे तो धर्म है घट घट रहा समाय
मन्दिर में मोहन बना मस्जिद में मुस्काय राम रहीम…
मुस्लिम तो सजदा करे हिन्दू धरते ध्यान राम रहीम…
वो मालिक तो एक है जिसने रचा जहान
क्यों नहीं हम सब प्यार से जीवन लेते गुजार
एक पिता सबका वही दुनियाँ है परिवार राम रहीम……

जय भोला भण्डारी शिवहर

गायक –हरिओम शरण

जै भोला भन्डारी शिवहर जय भोला भण्डारी-२
जै कैलाशपति शिव शंकर सब जग के हितकारी शिवहर
जय भोला भण्डारी……
निश दिन तेरा ध्यान करें हम सिमरें मन्त्र तिहारा
हे शिव शंकर मन्त्र जगाओ होवे घट उजियारा
नमामि शंकर नमामि शंकर-२ कृपा करो त्रिपुरारी
जय भोला भण्डारी शिवहर…

शंख नाद से शब्द जगाकर स्वर संगीत बहाया
युग युग से ये सृष्टि नाचे ऐसा डमरू बजाया
तेरी याद भुलाके जग में-२ दुख पावे संसारी
जय भोला भण्डारी शिवहर……
तीनों ताप हरण लेता ये त्रिशूल तिहारा
तेरा नाम जपे से जग में मिलता मुक्ति द्वारा
महादेव पर ब्रह्म विधाता-२ आये शरण तिहारी
जय भोला भण्डारी शिवहर……

ना ये तेरा ना ये मेरा

गायक—हरिओम शरण

ना ये तेरा ना ये मेरा मन्दिर है भगवान का
पानी उसका भूमि उसकी सब कुछ उसी महान का
ना ये तेरा ना ये मेरा……
हम सब खेल खिलौने उसके खेल रहा करतार रे
उसकी ज्योति सबमें दमके सबमें उसका प्यार रे
मन मन्दिर में दर्शन कर ले
उन प्राणों के प्राण का
पानी उसका भूमि उसीकी सब कुछ उसी महान का…
तीर्थ जायें मन्दिर जायें अनगिन देव मनाए रे
दीन रूप में राम सामने देखके नयन फिराये रे
मन की आंखें खुल जायें तो क्या करना है हमें ज्ञानका
पानी उसका भूमि उसी की सब कुछ उसी महान का…
कौन है ऊँचा कौन है नीचा है एक समान रे

प्रेम की ज्योति जगा हृदय में सब में प्रभु पहचान रे
सरल हृदय को शरण में राखें हरि भोले नादान का
पानी उसका भूमि उसी की सब कुछ उसी महान का

टूटे न प्रीत तिहारी

टूटे न प्रीत तिहारी दाता टूटे ना प्रीत तिहारी टूटे ना टूटे ना...
जब से तुमने नेहा लगाया-२
मन ने अपना आप भुलाया
तन में मन में इन साँसो में तू ही कृष्ण मुरारी टूटे न प्रीत
मेरे मन मंदिर में आना अरे नाथ नहीं फिर जाना
युगन-युगन का नाता है ये तू दाता मैं भिखारी टूटे न...
मैं हूँ जीव तू है जीवन तू मुक्ति मैं हूँ बंधन
अपनी शरण में ले लो मुझको मिट जायें विपदा टूटे न...

तेरे नाम का सुमिरन करके

गायक – हरिओम शरण

तेरे नाम का सुमिरन करके मेरे मन में सुख भर आया
तेरी कृपा को मैंने पाया तेरी दया को मैंने पाया...
दुनिया की ठोकर खा के जब हुआ कभी बेसहारा
न पाके अपना—अब मैंने तुझे पुकारा
हे नाथ मेरे सिर ऊपर तूने अमृत बरसाया तेरी कृपा को
तू संग में था नित मेरे ये नैना देख न पाये
चंचल माया के रंग में ये नयन रहे उलझाये

जितनी भी बार गिरा हूँ तूने पग-पग मुझे उठाया
तेरी कृपा को मैंने पाया······
भव सागर की लहरों ने भटकाई मेरी नैया
तट छूना भी मुश्किल था नहीं दीखे कोई खिवैया
तू लहर का रूप पहनकर मेरी नाव किनारे लाया
तेरी कृपा को मैंने पाया तेरी दया को······
हर तरफ तुम्हीं हो मेरे हर तरफ तेरा उजियारा
निर्लेप रमैया मेरे हर रूप तुम्हीं ने धारा
हो शरण तेरी हे दाता तेरा तुझ ही को चढ़ाया
तेरी कृपा को मैंने पाया·····

रख लाज मेरी गणपति

गायक—हरिओम शरण

'सुमिरन दीप जलाये के करूँ हृदय में ध्यान।
शरण पड़े की लाज रख दे—मेरे भगवान॥
रख लाज मेरी गणपति अपनी शरण में लीजिए
कर आज मंगल गणपति अपनी कृपा अब कीजिए···
सिद्धि विनायक दु:ख हरण संताप हारी सुख करण-२
करूँ प्रार्थना मैं नित प्रति वरदान मंगल दीजिए
रख लाज मेरी गणपति···
तेरी दया तेरी कृपा हे नाथ। हम माँगे सदा-२
तेरे ध्यान में खोवे मति
प्रणाम मम अब लीजिए रख लाज मेरी······

करते प्रथम सब वन्दना तेरा नाम है दुख भंजना-२
करना प्रभु मेरी शुभ गति
अब तो शरण रख लीजिए रख लाज मेरी गणपति...

जय जय जय हनुमान गुसाईं

गायक—हरिओम शरण

जय जय जय हनुमान गुसाईं कृपा करो महाराज...
तन में तुमरे शक्ति विराजे मन भक्ति से भीना।
जो जन तुमरी शरण में आवे दुख दर्द हर लीना॥
महावीर प्रभु हम दुखियन के तुम हो गरीब नवाज
जय जय जय हनुमान गुसाईं कृपा करो महाराज...
राम लखन वैदेही तुम पर सदा रहे हर्षाये।
हृदय चीर के राम सिया का दर्शन दिया कराये॥
दो कर जोड़ अरज हनुमन्ता कहियो प्रभु से आज
जय जय जय हनुमान गुसाईं कृपा करो महाराज...

ये गर्व भरा मस्तक मेरा

गायक—हरिओम शरण

ये गर्व भरा मस्तक मेरा प्रभु चरण धूल तक झुकने दे
अहंकार विकार भरे मन को निज नाम की माला जपने दे
मैं मन के मैल को धो न सका ये जीवन तेरा हो न सका
ये गर्व भरा मस्तक मेरा.....
मैं ज्ञान की बातों में खोया और कर्म हीन पड़कर सोया

जब आँख खुली तो मन रोया जग सोये मुझको जगने दे
ये गर्व भरा मस्तक मेरा......
जैसा हूँ मैं खोटा खरा 'निर्दोष' शरण में आ तो जा
इक बार ये कह दे खाली जा ये प्रीत की रीत छलकने दे
ये गर्व भरा मस्तक मेरा.....

तेरे द्वार खड़ा आन मिलो

गायक—हरिओम शरण

तन तम्बूरा तार मन हरि तुम दिया ये साज ।
तुम्हारे हाथों बज रहा तुम्हारी है आवाज ।।
तेरे द्वार खड़ा आन मिलो मेरे सांई
मेरे मन ने ये आस लगाई तेरे द्वार......
लगी लगन मेरी तुम्हीं सों-२ जग की प्रीत भुलाई २
तीरथ धाम अनेकन छाए कोई खबर न पाईं ओ साईं
तेरे द्वार खड़ा आन मिलो मेरे साईं...
मेरे मन मन्दिरमें आन विराजो २ भगती सेज बिठाई-२
बिना दरशन ये बुझ न पाये
प्रेम की ज्योत जलाई हो साईं तेरे द्वार...
आराधना मेरा स्वीकारो-२ ले लो निज शरणाई २
हे करुणामय कृपा कीजै २ द्वारे झोली फैलाई
हो साईं ! तेरे द्वार खड़ा......
दुखियों के दुख हरने वाले २ क्यों मोरी सुध बिसराई
तुम बिन मेरो कौन है दाता २
शरण पड़े का सहाई हो साईं तेरे द्वार...

राम रमय्या जग रखवारे

गायक—हरिओम शरण

राम रमय्या जग रखवारे तेरा हमें सहारा हो
जीवन नैया तारन हारे दिल ने तुझे पुकारा हो
हो राम रमय्या हो राम रमय्या हो राम रमय्या……
गणिका गीध अजामिल तारे तारा सदन कसाई
तुलसी के तुम बन गये तारे तारी मीरां बाई
राम रमय्या कबीर पुकारे हो गये भव से पारा राम रमैया
हो राम रमय्या-हो राम रमय्या-हो राम रमय्या
जब हम अंश सनातन तेरे क्यों दूरी ये लागे
तू ही कृपा करे जो स्वामी भीतर ज्योति जागे
दयानिधे हे प्राण प्यारे कर दो घट उजियारा……
राम रमय्या·· हो राम रमय्या हो राम रमय्या……
द्वार तेरे हम आन पड़े हैं, छोड़ कहाँ अब जायें
तुमसा दाता तारन हारा और कहाँ हम पायें
शरण लगाओ प्राण प्यारे रहे न कोई दुखियारा……
हो राम रमय्या हो राम रमय्या हो राम रमय्या···

सबका भला मेरे राम जी करें

गायक—हरिओम शरण

माँगे सब की खैर ओ बाबा माँगे सब की खैर
सब का भला मेरे राम जी करें-२
एक राम की सारी माया एक हवा और पानी

एक ही जोत जले सब ही में क्यों नहीं सोचे प्राणी
मन की आँख से देख रे भैया कोई नहीं है गैर ओ बाबा...

चार दिनों के जीवन को तू रंग ले प्यार के रंग में
मोह माया में बंधना नाहीं जावे ना कोई संग में
शुभ कर्मों से भरले झोली करले जग की सैर ओ बाबा...

राम है दाता सारे जग का उसकी देन है भारी
बिन माँगे वो झोली भरता ऐसा पर उपकारी
उसके नाम का सुमिरन करके भवसागर से तर ओ बाबा...

नाम का दीप जला ले

गायक – हरिओम शरण

नाम का दीप जला ले अंधेरा पल भर में मिट जाये
पल भर में मिट जाये अंधेरा पल भर में मिट जाये नाम...

जिस ज्योति से जग उजियारा,
वो है ईश्वर प्राण पियारा-२ उसमें मनवा रमाले
अंधेरा पल भर में मिट जाये नाम का दीप...

सत संगत से लौ लग जाती
मन को बना ले प्रेम की बाती-२ ज्ञान की जोत जगाले
अंधेरा पल भर में मिट जाये नाम का दीप...

भजन से गूँजे मन का मन्दिर
सुरति समाधि लग जाये फिर-२ शरण होय आजमा ले
अंधेरा पल भर में मिट जाये नाम का दीप...

जप ले हरि नाम साँझ सकारे

गायक—हरिओम शरण

जप ले हरि का नाम साँझ सकारे
अर्न्तयामी दाता हरे दुःख सारे जप ले···
जगत पिता का ध्यान न आया
मदमाते प्राणी तूने जन्म गंवाया
कभी नहीं खोले तूने अन्तर द्वारे जप ले···
स्वासों की तू जपले माला गुरु कृपा से होये निहाला
भव सागर से पार उतारे जप ले हरि···
शरण पड़े बिन निष्फल जीना
जीवन में शुभ कर्म न कीना
यूँ ही ना प्राणी हीरा जनम गवाँ रे जप ले हरि···

संसार ने जब ठुकराया

गायक—हरिओम शरण

विनय मेरी सुन लीजिए हे हरि ! जगदाधार।
आराधन निशदिन करूँ कर लेना स्वीकार ॥
संसार ने जब ठुकराया तब द्वार तेरे आया
मैंने तुझे कभी न ध्याया तूने सदा सदा अपनाया संसार···
मैं मदमाया में झूला तेरे उपकारों को भूला-२
तू ने कभी नहीं बिसराया मैं ही जग में भरमाया संसार···
था मोह माया में सोया शुभ अवसर हाथ से खोया-२
जब लुट रही थी माया तूने कितनी बार जगाया संसार···

जग में सब कुछ था तेरा मैं कहता रहा मेरा मेरा
अब अन्त समय जब आया मैं मन ही मन पछताया
हरि शरण तिहारी आया सब चरणन माहीं चढ़ाया
संसार ने जब ठुकराया.....

श्याम राधे हरि श्याम राधे

गायक हरिओम शरण

आ राधे मन श्याम राधे श्याम राधे हरि श्याम राधे
अमृतमय हरि नाम तिहारा दीनन का हरि ये ही सहारा
निशदिन सुमिरे राधे राधे श्याम राधे...
मोहन की मुरली नित बाजे प्राणन में ही नाम विराजे
दिन दिन भगती आराधे श्याम राधे...
राधा भक्ति श्याम मिलावे आराधन राधा बन जावे
उनकी शरण हो ध्यान साधे श्याम राधे...

मोहे लागी लगन हरि दर्शन की

गायक हरिओम शरण

मोहे लागी लगन मोहे लागी लगन हरि दर्शन की-२
हरि ओ३म—हरि ओ३म हरि ओ३म हरि ओ३म
विश्व विधाता मंगल दाता मँगल दाता
विनय सुनो अब दीनन की मोहे लागी लगन......
हे सुखकारी जग हितकारी दो शक्ति भव तरनन की

मोहे लागी लगन हरि दर्शन की २ हरि ओ३म…
सरबस ले लो दर्शन दे दो दर्शन दे दो
बलि ले लो इस जीवन की मोहे लागी लगन…

आया शरण में आस ये मन में
चरण कमल सब अर्पण की मोहे लागी लगन
हरि ओ३म-४

मन मैला और तन को धोये

गायक हरिओम शरण

मन मैला और तन को धोये फूल को चाहे काँटे बोये…
करे दिखाना भक्ति का तू उजली ओढ़े चादरिया
भीतर से मन साफ किया ना बाहर माँजे गागरिया
परमेश्वर नित द्वार पे आया तू भोला रहा सोए
मन मैला और तन को धोये…

कभी मन मन्दिर में तूने प्रेम की जोत जलाई
सुख पाने तू दर दर भटके जनम हुआ दुखदाई
अब भी नाम सुमिर ले हरि का जन्म वृथा क्यों खोए
मन मैला और तन को धोये…

सासों का अनमोल खजाना दिन दिन लुटता जाए
मोती लेने आया तट पे सीप से मन बहलाए
साँचा सुख तो वो ही पाए-शरण प्रभु की होए
मन मैला और तन को धोए…

सुन लो मेरी पुकार पवनसुत

गायक—हरिओम शरण

हे दुख भंजन ! मारुति नन्दन सुन लो मेरी पुकार
पवन सुत विनती बारम्बार-२
अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता
दुखियों के तुम भाग्य विधाता
सियाराम के काज सँवारे मेरा कर उद्धार पवनसुत···

अपरम्पार है शक्ति तुम्हारी
तुम पर रीझें अवध बिहारी
भक्ति भाव से ध्यायूँ तोहे करो दुखों से पार पवन सुत···

जपूँ निरन्तर नाम तिहारा अब नहीं छोड़ूँ तेरा द्वार
राम भक्त मोहे शरण में लीजै भवसागर से तार
पवन सुत विनती बारम्बार···

मंगल मूरति राम दुलारे

गायक—हरिओम शरण

मंगल मूरति राम दुलारे आन पड़ा अब तेरे द्वारे
हे बजरंग बली हनुमान हे महावीर करो कल्याण···

तीनों लोक तेरा उजियारा दुखियों का तूने काज संवारा
हे जगवन्दन केशरी नन्दन कष्ट हरो हे कृपा निधान
मंगल मूरति राम दुलारे···

तेरे द्वारे जो भी आया खाली नहीं कोई लौटाया-२

दुर्गम काज बनावन हारे मंगल मन दीजो वरदान
मंगल मूरति राम दुलारे···
तेरा सुमिरन हनुमत वीरा नासे रोग हरे सब पीरा
राम लखन सीता मन बसिया शरण पड़े का कीजे ध्यान
मंगल मूरति राम दुलारे···

जय जय जय बजरंग बली

गायक—हरिओम शरण

अमृतमय प्रभु भजन से मिले परम विश्राम।
ओ३म् शरण सुमिरन करे कोटिश करें प्रणाम ॥
जय-३ बजरङ्ग बली-२
महावीर हनुमान गोसाईं तुम्हारी याद भली जय···
साधु सन्त में हनुमत प्यारे भक्त हृदय श्री राम दुलारे
राम रसायन पास तुम्हारे सदा रहो तुम राम द्वारे
तुम्हारी कृपा से हसमत वीरा सगरी विपता टली
जय-२ बजरङ्ग बली···
तुम्हारी शरण महासुखदाई जय-२ हनुमान गोसाई
तुम्हारी महिमा तुलसी गाई जग जननी सीता महामाई
शिव शक्ति की तुम्हरे हृदय जोत महान जगी
जय जय जय बजरङ्गबली—जै जै श्री हनुमान···

माँ तेरी जय जयकार

गायक—हरिओम शरण

दुर्गति हारिणी दुर्गा अम्बे तेरी जय जयकार हो
भय भवतारिणी भवानी अम्बे मेरी नमस्कार हो-२

तेरी ही शक्ति से माँ सूरज चाँद सितारे हैं
तेरी ही मां शक्ति लेकर खड़े हुए ये सारे हैं
अम्बे ! जै जै अम्बे ! सुखदाई हो सृष्टि सारी
हल्का दुख का भार हो तेरी जय जयकार हो…
विश्व अम्बा सब शक्ति तो ब्रह्म लोक पर अंत है
तेरी महिमा का हे मैया आदि और अंत है
अम्बे ! जै जै अम्बे ! ! जन्म जन्म तक हे ब्रह्माणी
चरण कमल सों प्यार हो तेरी जय…
हे महादेवी हे महाकाली दुष्टों का संहार करो
माँगलमय वरदान दो मैया भव से बेड़ा पार करो
अम्बे ! जय जय अम्बे ! ! भाव भक्ति ले शरण में आये
विनती मां स्वीकार हो तेरी जय…

भज गोविन्दा जय गोपाला

गायक—हरिओम शरण

भज गोविन्दा जै गोपाला भज मुरली मनोहर नन्दलाला
मधुर मनोहर साँवरे श्री हरि नन्द किशोर
नैना दर्शन बावरे दीजै चरणन ठौर-२
मन का वैरागा नाम ना तेरे नटवर दीन दयाल
भज गोविन्दा जै गोपाला…
नाम तेरा भव तारन हारा दुख भंजन सुखकारी
जिसने भी हृदय में धारा उनकी विपता तारी-२
हे हितकारी साजन मेरे कष्ट मिटाने वाला
भज गोविन्दा जै गोपाला…

सब घट अन्दर जोत तुम्हारी तू सब खेल खिलावे
तेरा दर्शन श्याम मुरारी कोई बिरला पावे-२
जनम जनम का साथी तू ही तू जग का रखवाला
भज गोविन्दा जै गोपाला···

निर्गुण रंगी चादरिया रे

गायक - हरिओम शरण

निर्गुण रंगी चादरिया रे कोई ओढ़े संत सुजान-२
कोई-२ बिरला जतन से पावे या चुनरी पिया के मन भावे
कितने ओढ़ भये बैरागी भये कई मस्तान निर्गुण···
नाम की तार से बुनी चादरिया
प्रेम भक्ति से रंगी चदरिया
सतगुरू कृपा करे तो पावे यह अनमोलक दान निर्गुण···
पोथी पढ़-२ नैन गंवावे सतगुरू नाथ शरण नहिं आवे
हरि नारायण निर्गुण सगुण सब में ही पहचान
निर्गुण रंगी चादरिया रे कोई ओढ़े संत सुजान···

एक दिन वो भोला भण्डारी

एक दिन वो भोला भंडारी बन कर ब्रज की नारी
गोकुल में आ गये।
पार्वती भी मनाकर हारी ना माने त्रिपुरारी गोकुल में आगए
पार्वती से बोले मैं भी चलूँगा तेरे साथ में

राधा-श्याम नाचे मैं भी नाचूँगा तेरे साथ में
रास रचेगा ब्रज में भारी मुझे दिखाओ प्यारी
गोकुल में आ गये एक दिन···

ओ मेरे भोले स्वामी कैसे ले जाऊँ तोहे साथ में
श्याम के सिवा वहां कोई पुरुष न जाए रास में
हँसी करेगी ब्रज की नारी मानो बात हमारी गोकुल में···

ऐसी बनाओ मुझे कोई ना जाने इस राज को
मैं हूं सहेली तेरी ऐसा बतना बृज राज को
लगा के बिंदिया पहन के साड़ी चाल चले मतवाली
गोकुल में आ गये इक दिन वो भोला भण्डारी बनकर···
हँस के सति ने कहा बलिहारी जाऊँ इस रूप में
इक दिन तुम्हारे लिए आए मुरारी इस रूप में
मोहनी रूप बनाया मुरारी अब ये तुम्हारी बारी गोकुल···
देखा मोहन ने समझ गये वो सारी बात रे
ऐसी बजाई बंसी सुध बुध भूले भोला नाथ रे
सर से खिसक गई जब साड़ी मुस्काये गिरधारी
गोकुल में आ गये एक दिन···

दीन दयालू तेरा जब से गोपेश्वर हुआ नाम रे
ओ भोले बाबा तेरा बृन्दाबन बना धाम रे
भक्त कहे ओ त्रिपुरारी रखियो लाज हमारी
गोकुल में आ गये एक दिन वो भोला भन्डारी···

———

शिव शिव जपले

शिव शिव जपले
ओ मन मेरे !
संकट दूर करेंगे तेरे --शिव…
शंकर हो जिसके रखवाले,
उसके संकट शिव ने टाले --२
भर जाते हैं सुख के प्याले।
हो जाते हैं दूर अंधेरे—शिव…
जिसने शिव का नाम पुकारा,
दूर हुआ उसका अंधियारा—२
पग पग पर छाया उजियारा
कटते जनम जनम के फेरे—शिव…
जो भी शिव की शरण में आया,
उसने जीवन सफल बनाया—२
जग में उसने सब कुछ पाया,
तोड़ दिए माया के घेरे—शिव…

भजन :—सरस्वती कुमार दीपक गायक—सुधा मलहोत्रा

कहाँ छोड़ चले नन्दलाल

कहाँ छोड़ चले ऽऽऽ हे नन्दलाल ! हे नन्दलाल !!
कहां छोड़ चले हो नन्दलाल ! हे नन्दलाल !!
रथ को रोका ना
मेरी अरज सुनी गोपाल हे गोपाल।

रथ को रोका ना—२
रे तारे नील गगन में—
धूल उड़ेगी वृन्दावन में—
जमुना तट पर जल जायेगी।
हरे कदम्ब की डाल-२
कहां छोड़ चले हो…
कौन भरायेगा गागरिया,
कौन बजायेगा बाँसुरिया—२
कौन उठायेगा गोवर्धन ?
देख के बृज बेहाल—
कहाँ छोड़ चले हो…
मोर के पंख, गुंज की माला
देखके रोयेंगी ब्रजबाला—२
कब तक राह तकेगी राधा।
हाथ लिए बन माल—
कहाँ छोड़ चले हो…

भजन—योगेश प्रवीण गायक—सुधा मलहोत्रा

हरि ॐ नमो

सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ओ३म नमो हरि ओ३म नमो।
एक घड़ी आधी घड़ी, आधी से भी आध॥
तुलसी संगत संत की, हरे कोटि अपराध॥

सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ओ३म नमो हरि ओ३म नमो॥
राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।
अन्त काल पछतायेगा, जब प्राण जायेंगे छूट॥
सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ओ३म नमो हरि ओ३म नमो॥
तुलसी या संसार में, सबसे मिलिये धाय।
ना जाने किस वेष में, नारायण मिल जाए॥
सब मिलकर बोलो बार-बार।
हरि ओ३म नमो हरि ओ३म नमो॥

गायक—सुधा मलहोत्रा

जगत में कोई नहीं अपना

जगत में कोई नहीं अपना।
राम नाम ही अपना-२॥
राम बिना जग खाली छाया,
छाया ने सबको भरमाया।
राम दया से सच्चा होता,
सब ही का सपना॥
जग में…

राम पिता है राम ही माता-२
राम नाम का पावन नाता।
सीख लिया मेरे साँसों ने

राम की माला जपना ॥
जगत में…
राम नाम की ज्योति सुहानी-२
राम नाम की अमर कहानी ।
राम नाम की नैया पर ही
भवसागर तरना ॥
जगत में…

भजन— सरस्वती कुमार दीपक
गायक—सुधा मलहोत्रा

भज मन मनमोहन अविनाशी

अंखिया जिनके दरस की प्यासी ।
भजमन मनमोहन अविनाशी ॥
इस काया पर गर्व है कैसा-२
ये माया की दासी
तीरथ व्रत में भटक रहा क्यूं,
लेता करवट काशी ॥
भजमन मनमोहन…
जोगी हुआ जोग नहीं जाना-२,
कटी न यम की फाँसी ।
श्याम भजन से मिल जायेंगे,
तुझको मथुरा काशी ॥
भजमन मनमोहन…
कब से दर्श को तरस रही है-२
जनम जनम की दासी ।

आओगे संकट काटोगे,
मन वृन्दावन वासी ॥
भजमन मनमोहन...

भजन—सरस्वती कुमार दीपक गायक—सुधा मलहोत्रा

मैंने किया द्वारिका वास रे

मैंने किया द्वारिका वास रे !
मैंने किया द्वारिका वास रे
रणछोड़ जी के मंदिर ॥
झूठे मोती माणिक झूठे-२,
झूठी जग की रीत रे ।
झूठे पाट पटम्बर साथी
गिरधर जी की प्रीत रे ॥
मैंने दीवड़ा दिया जगाये रे,
रणछोड़ जी के मंदिर ॥
मैंने किया...
ज्ञान ध्यान की गठरी बाँधे-२,
प्रेम मंत्र को बाँच रे ।
हाथ सुमिरनी पग में घुंघरु,
बांध करूँगी नाच रे ॥
मैं क्यों गाऊँ मंगलाचार रे
रणछोड़ जी के मन्दिर ॥
मैंने किया...

भजन – सुमित्रा कुमारी सिन्हा : गायक—सुधा मलहोत्रा

अंकुश

गीत—अभिलाषा संगीत—कुलदीप सिंह

इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे,
भूलकर भी कोई भूल हो ना इतनी शक्ति···
दूर अज्ञान के हों अंधेरे तू हमें ज्ञान की रोशनी दे
हर बुराई से बचते रहें हमें जितनी भी दे भली जिंदगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना हम चलें नेक रस्ते पे···
हम न सोचें हमें क्या मिला है
हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बाँटे सभी को
सबका जीवन ही बन जाये मधुबन
हो···अपनी करुणा का जल तू बहा के
करदे पावन हर एक मन का कोना हम चलें······

नील कमल

गीत—साहिर लुधियानवी गायक—आशा भोंसले

हे रोम रोम में बसने वाले राम
जगत के स्वामी हे अन्तर्यामी मैं तुझसे क्या मागूँ हे राम···
आस का बंधन तोड़ चुकी हूँ तुझपर सब कुछ छोड़ चुकी हूं
नाथ मेरे मैं क्यों सोचूँ तू जाने तेरा काम जगत के···

तेरे चरणों की धूल जो पाए वो कंकर हीरा हो जाये
भाग मेरे जो मैंने पाया इन चरणों में धाम जगत के…
भेद तेरा कोई क्या पहचाने जो तुझसा हो वो तुझे जाने
तेरे किये को हम क्या देवे भले बुरे का नाम
जगत के स्वामी हे अन्तर्यामी……

गोपी

गायक—मौहम्मद रफी

सुख के सब साथी दुख में न कोई-२
मेरे राम मेरे राम तेरा नाम इक सांचा दूजा न कोई…
जीवन आती जानी छाया झूठो माया झूठी काया-२
(फिर काहे को सारी उमरिया)२ पाप की गठरी ढोई
सुख के सब साथी दुख में न कोई…
न कोई तेरा न कुछ मेरा ये जग जोगी वाला फेरा
राजा हो या रंक सभी का अन्त एक सा होई सुख के…
बाहर की तू माटी फाँके मन भीतर क्यों न झाँके
उजले तन पर मान किया और मन की मैल न धोई सुख…

बसन्त बहार

गीत—शैलेन्द्र
गायक—मौहम्मद रफी

बड़ी देर भई बड़ी देर भई कब लोगे खबर मोरे राम
चलते चलते मेरे पग हारे आई न जीवन की शाम
कब लोगे खबर मोरे राम बड़ी देर भई…

कहते हैं तुम हो दया के सागर फिर क्यों खाली मेरी गागर
झूमे झूमे कभी न बरसे कैसे हो तुम घनश्याम
हे राम बड़ी देर भई कब लोगे खबर मोरे राम···
सुनके जो बहरे बन जाओगे आप ही छलिया कहलाओगे
मेरी बात बने न बने हो जाओगे तुम बदनाम हे राम
बड़ी देर भई बड़ी देर भई कब लोगे···

आँखें

गीत—साहिर गालक - लता मंगेशकर

मेरी सुनले अरज बनवारी तेरे द्वार खड़ी दुखियारी···
आर न सूझे पार न सूझे अ कोई दूजा द्वार न सूझे
कौन ठिकाने जाऊँ प्रभु मैं छोड़ के शरण तिहारी मेरी···
छिन गया मेरी आँख का मोती
खो गई इन नैनन की ज्योति
तेरे जगत में भटक रही हूं मैं ममता की मारी रे तेरे द्वार···

खानदान

गीत—राजेन्द्र कृष्ण गायक—रफी

बड़ी देर भई नन्दलाला तेरी राह तके ब्रज बाला
ग्वाल बाल इक इक से पूछें कहां है मुरली वाला रे बड़ी···
कोई न जाये कुँज गलिन में तुझ बिन कलियाँ चुनने को
तरस रहे हैं जमना के तट धुन मुरली की सुनने को
अब तो दरस दिखादे नटखट क्यों दुविधा में डाला रे बड़ी···
संकट में है आज वो धरती जिस पर तूने जन्म लिया
पूरा कर दे आज वचन वो गीता में जो तूने दिया
तुझ बिन कोई नहीं है मोहन भारत का रखवाला रे बड़ी···

गीत गाता चल

गीत व संगीत—रविन्द्र जैन गायक—जसपाल आरती मुखर्जी

श्याम तेरी वन्शी पुकारे राधा नाम
लोग करें मीरा को यूँही बदनाम
साँवरे की वन्शी को बजने से काम
राधा का भी श्याम वो तो मीरा का भी श्याम
जमना की लहरें बंशी बट की छईयाँ
किसका नहीं है कहो कृष्ण कन्हैया
है श्याम का दीवाना तो सारा बृज धाम लोग करें···
कौन जाने बांसुरिया किस को बुलाये
जिस के मन भाये वो उसी के गुन गाये
कौन नहीं बंसी की धुन का गुलाम श्याम तेरी···

लोफर

गीत—आनन्द बख्शी गायक—महेन्द्र कपूर

दुनियाँ में तेरा है बड़ा नाम
आज मुझे भी तुझसे पड़ गया काम
मेरी विनती सुने तो जानूँ मानूं तुझेमैं राम
राम नहीं तो कर दूँगा सारे जग में तुझे बदनाम दुनियाँ···
मैं नहीं कहता कहते हैं सारे तूने बनाये चाँद सितारे
तू दुख दूर करे जो मेरे मेरी बिगड़ी बनाये तो तेरे
गुण गाऊँ सुबह शाम दुनियाँ में तेरा···
मजबूरी तेरे दर पे ले आई आशा की मैंने जोत जलाई
मन की बुझती जोत जगादे मेरी टूटी आस बंधादे
आया मैं तेरे धाम दुनियाँ में तेरा···